khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

शुक्रवार – 21 जुलाई 2023
वर्ष : 02 – अंक : 271
पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रूपये
आरएनआई :
UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

2 जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत वृक्षारोपण बहुत जरूरी....

3 राष्ट्रीय व राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के शीर्ष...

5 ऑनलाइन गेम में हार गया सात लाख रुपये तो मुंबई क्राइम ...

छह वर्ष में उत्तर प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए : सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ऐसे ही पिछड़ा नहीं था। जगह–जगह बेईमान और भ्रष्ट लोगों को नमूनों के रूप में बैठा दिया गया था, जो पूरे उत्तर प्रदेश को खोखला बनाने में लगे हुए थे। भ्रष्टाचार पर बड़ा प्रहार करने के लिए हमें तैयार रहना होगा। जातिवाद, भ्रष्टाचार और भेदभाव विकास के सबसे बड़े बाधक हैं। उन्होंने कहा कि विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश के अंदर साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और सामान्य जीवन जी रहे हैं। नीति आयोग के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर आकर देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई है। यूपी वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की ओर बढ़ चुका है। यह एक सामूहिक प्रयास से संभव हो पाया है। सीएम योगी ने गुरुवार को मिशन रोजगार के तहत लोकभवन में आयोजित निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित कुल 700 नव नियुक्त अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छह वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। युवाओं को अपने आपको उत्तर प्रदेश का बताने में शर्म आती थी। हमारी सरकार में स्थितियां बदली हैं। आज का युवा गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का नागरिक बताता है। यूपी विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहा है। गरीब कल्याण की योजनाएं पूरे प्रदेश के अंदर प्रभावी ढंग से लागू हुई हैं। उत्तर प्रदेश की जनता को सरकार से जो अपेक्षाएं थी, उस पर हम खरे उतर रहे हैं। यह तब

संभव हो पाया जब शासन, प्रशासन और हर कार्मिक ने मिलकर प्रयास किया। सीएम योगी ने कहा कि आयुर्वेद घोटाले के बाद आयुष विभाग में बरसों से पद लंबित पड़े थे। पूरी प्रक्रिया बाधित हो गई थी। आज 422 आयुष चिकित्सा अधिकारियों की यहां नियुक्ति हो रही है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं कि उन्होंने आयुष को एक नई पहचान दी है। अब आपका दायित्व बनता है कि हेल्थ और वेलनेस सेंटर को गति प्रदान करते हुए आयुष विभाग के कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने नव नियुक्त अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आपकी सेवा का कालखंड 30–35 वर्ष है। इस दौरान आप जितना अधिक संवेदनशील बनकर ईमानदारी से मेहनत करेंगे आपको उतनी अधिक आत्मसंतुष्टि मिलेगी। सीएम योगी ने कहा कि हमें 25 करोड़ की जनता को ध्यान में रखकर उनके कार्य करना है और उनकी अपेक्षाओं पर हमें खरा उतरना है।

बिहार में कई दल अभी भी बुलावे के इंतजार में, बनेगा अलग फ्रंट

पटना (एजेंसी)। बिहार में महागठबंधन और एनडीए अपना कुनबा बढ़ाने में लगे हैं। लेकिन, प्रदेश में कम से कम ऐसे चार सक्रिय राजनीतिक दल हैं जो अभी भी शुलावेश के इंतजार में हैं। इनमें से कुछ ने अपने विकल्प भी खुले रखे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को एनडीए की बैठक हुई, जिसमें बिहार के राष्ट्रीय लोक जनता दल (रालोजद), लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), राष्ट्रीय लोजपा के नेताओं ने शिरकत की। इसके अलावा बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन में छह दल शामिल हैं। ऐसे में पूर्व सांसद पप्पू यादव की जन अधिकार पार्टी, पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), बसपा और एआईएमआईएम को अभी भी बुलावे का इंतजार है। इस बीच जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बार–बार आग्रह करने के बावजूद अभी तक महागठबंधन में जाप को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इसके लिए कई नेताओं से बात भी की। पप्पू यादव ने महागठबंधन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि कांग्रेस को तय करना होगा कि मैं महागठबंधन का हिस्सा हूं या नहीं। अगस्त तक मुझे महागठबंधन में शामिल नहीं किया गया, तो अकेले 3 से 5 सीटों पर चुनाव लडूंगा। इधर, एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने ऐलान किया कि आगामी चुनाव में उनकी पार्टी बिहार में तीसरा मोर्चा बनाएगी। उन्होंने बताया कि समान विचारधारा वाली पार्टियों को इसमें शामिल किया जाएगा। इमान ने आगे बढ़कर यहां तक कहा कि असदुद्दीन ओवैसी भाजपा के मुखर विरोधी हैं, इसके बावजूद उन्हें भाजपा विरोधी महागठबंधन में शामिल नहीं किया गया। ऐसे में उनके पास अब तीसरा मोर्चा बनाने का विकल्प ही रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसमें एआईएमआईएम के पांच प्रत्याशी जीते थे।

मणिपुर की घटना पर भड़के अखिलेश यादव

बोले : सभ्यता का चीरहरण और संस्कृति का हुआ है पाताल–पतन

लखनऊ। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर से मानवता को शर्मसार कर देने वाली वीडियो के वायरल होने के बाद बवाल मच गया है। दरअसल वीडियो में एक समुदाय की 2 महिलाओं को दूसरे समुदाय के लोग निर्वस्त्र कर घुमा रहे है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं। अब इस मामले के सामने आने के बाद सियासत भी गरमा गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मणिपुर की इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का ट्वीट सामने आया है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि "मणिपुर में सभ्यता का चीरहरण हुआ है और संस्कृति का पाताल–पतन। इसी बीच समाजवादी

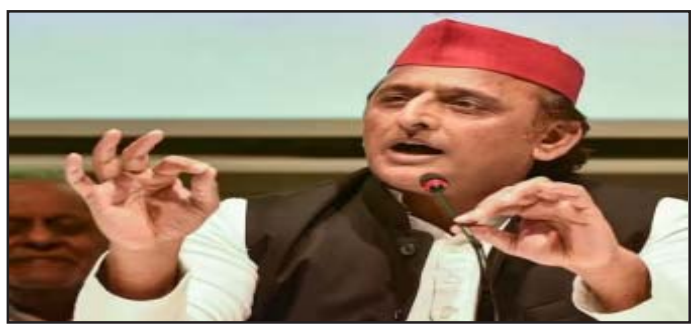

पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने भी मणिपुर हिंसा को लेकर बयान दिया है। एक न्यूज एजेंसी के अनुसार, रामगोपाल यादव ने कहा कि "मणिपुर में जो हुआ है, वो भाजपा की सरकार की वजह से हुआ है। इसलिए वहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। पीएम मोदी भाषण तो अच्छे देते हैं लेकिन देश में क्या हो रहा है इस पर नहीं बोलेंगे।आपको बता दें कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में यह घटना 4 मई को घटी थी। इसमें महिलाओं को नग्न अवस्था में दर्शाया गया है। वीडियो में पुरुष पीड़ित महिलाओं से लगातार छेड़छाड़ करते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित महिलाएं लगातार मदद की गुहार लगा रही हैं और बंधक बनी हुई हैं।

डीजीपी कार्यालय ने माना, अवैध तरीके से भारत पहुंची सीमा, चार मोबाइल, पांच पासपोर्ट बरामद

लखनऊ। सीमा पार से भारत आई सीमा हैदर के मामले में डीजीपी कार्यालय ने जानकारी दी है। बुधवार को लखनऊ स्थित डीजपी कार्यालय ने बताया कि सीमा हैदर के पास से दो वीडियो कैसेट, चार मोबाइल फोन, पांच पाकिस्तान अधिकृत पासपोर्ट, अधूरे नाम और पते के साथ एक अप्रयुक्त पासपोर्ट और आईडी कार्ड बरामद किया गया है। डीजीपी कार्यालय ने मुताबिक सीमा अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई और जिला पुलिस इस संबंध में जांच कर रही है। अब तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि सीमा गुलाम हैदर व सचिन मीणा साल 2020 में पबजी ऑनलाइन गेम के माध्यम से संपर्क में आए थे। सीमा 10 मार्च

2023 को नेपाल पहुंची तो इसी दिन सचिन भी वहां पहुंच गया। दोनों साथ रहे। 17 को सीमा पाकिस्तान वापिस चली गई पर इसके बाद11 मई को वह अपने चार बच्चों को लेकर पाकिस्तान से काठमांडू होते हुए अनधिकृत रूप से भारत आ गई। मामला थाना रबूपुरा में दर्ज कराया गया। जिसमें सचिन मीणा, सीमा गुलाम हैदर और नेत्रपाल उर्फ नित्तर (सचिन मीणा के पिता) को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वर्तमान में सभी जमानत पर बाहर हैं। मामले की पड़ताल की जिम्मेदारी यूपी एटीएस को सौंपी गई। जांच के मुताबिक सीमा हैदर का पति गुलाम हैदर साल 2019 से काम करने के लिए सउदी अरब गया हुआ है। वह सीमा को घर खर्चा हेतु 70–80 हजार रुपये प्रतिमाह (पाकिस्तानी रुपये) सऊदी से भेजता था। इसमें मकान किराया, बच्चों की स्कूल फीस, आदि घर के खाने खर्चे के बाद यह 20–25 हजार रुपये प्रति माह की बचत करती थी। सीमा ने बताया कि जनवरी 2022 में इसने मकान 12 लाख में बेच दिया, क्योंकि इसे सचिन मीणा के पास भारत आना था। पहली बार सीमा हैदर 15 दिन के टूरिस्ट वीजा पर 10 मार्च 2023 को कराची एयरपोर्ट से शारजाह आई। वहां से काठमांडू पहुंची। 17 मार्च 2023 को इसी रूट से नेपाल से वापस चलकर दिनांक 18 मार्च 2023 को पाकिस्तान कराची पहुंची।

मणिपुर में अनवरत जारी हिंसा व तनाव से पूरा देश चिंतित, क्या बीजेपी अभी भी ऐसे मुख्यमंत्री को संरक्षण देती रहेगी : मायावती

लखनऊ। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने, छेड़छाड़ करने की कथित वीडियो को लेकर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मणिपुर में अनवरत जारी हिंसा व तनाव से पूरा देश चिंतित है। महिला के साथ अभद्रता की ताजा घटना खासकर भाजपा व उनकी सरकार को शर्मसार करने वाली है। वैसे तो राज्य में कानून–व्यवस्था काफी पहले से चरमराई हुई है, किन्तु क्या बीजेपी अभी भी ऐसे मुख्यमंत्री को संरक्षण देती रहेगी?बता दें कि मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने को लेकर मणिपुर पुलिस ने बताया कि ये मामला सेनापति जिले के एक गांव की है।

जहां पर दो जनजातीय महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने और भीड़ द्वारा उनसे छेड़छाड़ करने संबंधी चार मई के वीडियो में नजर आ रहे मुख्य आरोपियों में से एक को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया।अधिकारियों ने बताया कि घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कई टीम का गठन किया गया था। इनमें से एक व्यक्ति जिसे इस घटना का कथित मुख्य साजिशकर्ता कहा जा रहा है, उसे थाउबल जिले से गिरफ्तार किया गया।

आरोपी 26 सेकंड के इस वीडियो क्लिप में प्रमुखता से नजर आ रहा है। पुलिस ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा था कि अज्ञात हथियारबंद बदमाशों के खिलाफ थाउबल जिले के नोंगपोक सेकमाई थाने में अपहरण, सामूहिक बलात्कार और हत्या का मामला दर्ज किया गया है और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास जारी है। मणिपुर में तीन मई से इंफाल घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मेइती समुदाय और पर्वतीय इलाकों में रहने वाले जनजातीय कुकी समुदाय के बीच जातीय झड़पें हो रही हैं। हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

'पीएम मोदी के पास विदेश जाने का समय है, लेकिन मणिपुर के लिए नहीं...', AAP नेता आतिशी का हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता आतिशी ने मणिपुर दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने वाले वीडियो को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। घटना को भयानक करार देते हुए आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास विदेश जाने का समय था, लेकिन हिंसा झेल रहे पूर्वोत्तर राज्य में भी तक नहीं गए। बता दें कि दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद मणिपुर में तनाव बढ़ गया है।वीडियो सामने आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि महिलाओं को नग्न घुमाने की घटना ने 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार किया है। उन्होंने कहा कि कानून अपनी पूरी ताकत से काम करेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के पास मणिपुर जाने का समय नहीं था। उन्होंने 19 मई को जापान, 21 मई को पापुआ गिनी, 22 मई

को ऑस्ट्रेलिया, 20 जून को अमेरिका का दौरा किया और फिर फ्रांस और यूएई गए, लेकिन वह मणिपुर नहीं गए। यहां तक कि मणिपुर का एक प्रतिनिधिमंडल भी उनका इंतजार करता रहा, लेकिन वह उनसे नहीं मिले। उन्होंने आगे कहा कि यह वीडियो न केवल भयानक है, बल्कि दिल दहला देने वाला है। पूरे देश ने देखा कि महिलाओं के साथ किस तरह का व्यवहार किया गया। यह जानवरों से भी बदतर व्यवहार था, लेकिन भाजपा हिंसा के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। आप नेता ने दावा किया कि एक महिला ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उसके साथ परेड की गई और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, लेकिन वहां मौजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आतिशी ने कहा कि मैं बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि आप इन महिलाओं को क्या कहेंगे? मैं प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि आप इन महिलाओं और देश की हर महिला को क्या कहेंगे? मणिपुर में लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ रहा है।

यौन उत्पीड़न केस में बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत, दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपित भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने आज गुरुवार को उन्हें नियमित जमानत दी है।

दिल्ली पुलिस ने नहीं किया जमानत याचिका का विरोध

मामले में दिल्ली पुलिस का रुख असमंज दिखा। कोर्ट में दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि वह जमानत याचिका का न तो विरोध कर रहे हैं और न ही समर्थन कर रहे हैं, उनका कहना केवल इतना है कि इस पर कानून के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मंगलवार यानी 18 जुलाई को बृजभूषण शरण सिंह को पहलवानों के यौन शोषण के मामले में राहत मिली थी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को मामले में बृजभूषण और उनके सह आरोपित विनोद तोमर को दो दिन की अंतरिम जमानत दी थी। इस दौरान बृजभूषण भारी पुलिस सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश हुए थे। पिछली सुनवाई के दौरान एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल की कोर्ट ने कहा था कि मामले की अगली सुनवाई के दौरान नियमित जमानत याचिका पर बहस के बाद निर्णय लिया जाएगा। कोर्ट ने आरोपितों के विरुद्ध दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लेकर सात जुलाई को समन जारी कर पेश होने के आदेश दिए थे। बृजभूषण के वकील ने कोर्ट को बताया था कि यह बिना गिरफ्तारी का आरोपपत्र है। इस पर जमानत याचिका दाखिल कर दी गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव पेश हुए। कोर्ट ने पूछा कि जमानत के लिए आपके क्या तर्क हैं? दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उन्होंने बृजभूषण को गिरफ्तार नहीं किया है। बृजभूषण के वकील राजीव मोहन ने दलील रखी कि पुलिस ने मामले में जो भी धाराएं लगाई हैं उनमें किसी में भी पांच साल से ज्यादा सजा का प्रावधान नहीं है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण सिंह की जमानत का ये कहते हुए विरोध किया कि वह बाहर जाकर गवाहों को प्रभावित कर सकते

हैं। कोर्ट ने बृजभूषण सहित दोनों आरोपितों को राहत देते हुए उन्हें 20 जुलाई तक 20–20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत दी थी।

मामले में मीडिया के द्वारा अलग से ट्रायल न चलाया जाए

बृजभूषण के वकील बृजभूषण के वकील ने कहा था कि अब इस मामले से जुड़े सभी पक्षकारों को आरोपपत्र की कापी दी जाएगी, लेकिन इस मामले में मीडिया के द्वारा अलग ट्रायल न चलाया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा था कि अगर वह चाहते हैं कि मामले में इन कैमरा कार्यवाही हो तो हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर सकते हैं। बृजभूषण के वकील एपी सिंह ने कहा दिल्ली पुलिस का आरोपपत्र झूठ का पुलिंदा है। उन्हें फंसाने की साजिश रची जा रही है।

वृक्षारोपण अभियान–2023 के अन्तर्गत होमगार्ड्स विभाग लगभग 1.50 लाख पौधे लगायेगा

जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत वृक्षारोपण बहुत जरूरीः धर्मवीर प्रजापति

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के होमगार्ड्स एवं कारागार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर 22 जुलाई एवं 15 अगस्त को प्रदेश में "वृहद वृक्षारोपण अभियान–2023" का आयोजन किया जा रहा है। होमगार्ड्स विभाग के लिए एक लाख से अधिक वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि होमगार्ड्स विभाग के सभी मण्डल एवं जनपद स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए अपने–अपने जनपद में लक्ष्य के अनुरूप पौधे लगाएं एवं उसकी देखभाल भी अवश्य करें जिससे कि हमारी मेहनत सार्थक हो सके। धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि 22 जुलाई को 76900 एवं 15 अगस्त को भी 76900 पौधे होमगार्ड्स विभाग लगायेगा।

वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत प्रत्येक होमगार्ड एक–एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, इमली, जामुन, बेल, अर्जुन, सहजन, आम, महुआ, आंवला आदि प्रजातियों के छायादार व फलदार प्रजातियों को प्रमुखता से शामिल किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि उक्त प्रजातियों का औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्व बहुत ज्यादा है तथा इनसे छाया के साथ–साथ फल की भी प्राप्ति हमें होती है। प्रजापति ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में वे स्वयं बलरामपुर चीनी मिल परिसर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान में प्रभारी मंत्री के रूप में सहभागिता करेंगे। तत्पश्चात सिद्धार्थनगर जनपद में भी वृक्षारोपण महाअभियान में प्रभारी मंत्री के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 35 करोड़ पौधे लगाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत वृक्षारोपण बहुत ही जरूरी हो चुका है। प्रकृति को संरक्षित एवं संवर्द्धित करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने लोगों से इस दिन एक पेड़ अवश्य लगाने एवं उसकी देखभाल करने की अपील भी की है।

वृक्षारोपण अभियान में आईटीआई के बच्चे अपने नाम का लगायेंगे पौधे

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। वृक्षारोपण अभियान में प्रत्येक विभाग अपना योगदान दे रहा है। शासन द्वारा व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग को वृक्षारोपण अभियान में 2.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इस सम्बन्ध में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश की सभी राजकीय आईटीआई मे वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने का कार्य किया जा रहा है। अभियान मे आईटीआई के बच्चों को प्रेरित कर उनके नाम से पौधे रोपित कराये जायेंगे। कौशल विकास मंत्री ने बताया कि प्राइवेट आईटीआई तथा कौशल विकास केन्दों द्वारा भी पौधरोपण अभियान में पौधे रोपित कर सहयोग प्रदान किया

जायेगा। उन्होंने बताया कि पौधरोपण अभियान में सिर्फ पौधे लगाने पर ही नहीं बल्कि लगाये जा रहे है पौधे सुरक्षित बच सके इस पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस–पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पौधे लगाना बहुत जरूरी है।

खबर एक नजर में

पार्क में टहल रही महिला का मोबाईल फोन चोरी कर चोरो ऑनलाइन निकाले एक लाख 62 हजार रूपये

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में बीते 12 जुलाई को बेखौफ चोरो ने पार्क में टहल रही एक महिला का मोबाईल फोन चोरी कर उसके बैंक खाते से अश्वनलाइन लाखो रुपये ट्रांसफर कर लिए जिसपर पीड़ित महिला ने स्थानीय आशियाना थाने पर लिखित शिकायत की है। आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर जी निवासी राजवती सिंह के मुताबिक बीते 12 जुलाई की सुबह जब वह पार्क में टहल रही थी इसी दौरान किसी ने उनका मोबाईल फोन चोरी कर लिया था। जब उन्होंने अपने चोरी हुए मोबाईल फोन के नंबर को दूसरे सिम में एक्टिवेट कराया तो उनके नंबर पर अश्वनलाइन ट्रांजेक्शन के कई मैसेज आये जिसे देख वह अचम्भित हो गई और स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की। पीड़िता को मुताबिक चोरो ने उनके चोरी हुए मोबाईल फोन से उनके यूनियन बैंक खाते , एचडीएफसी बैंक , एसबीआई बैंक एवं कोटक महिंद्रा बैंक खाते से कूल एक लाख 62 हजार 548 रूपये ऑनलाइन निकल गए जो कि किसी सूरज कुशवाहा नामक युवक के खाते में ट्रांसफर हुआ है। जिसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने लगाई फांसी, मौत

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह घर में पत्नी से हुए विवाद के बाद दूसरे कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर दुपट्टे के सहारे पंखे से फांसी लगा लिया। काफी देर तक दरवाजा न खोलने पर पत्नी ने शोर मचाया तो मोहल्ले वाले एकत्र हो गए और कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दे दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से निचे उतार लोकबंधु अस्पताल ले गए जहाँ डश्वक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कृष्णा नगर कोतवाली के आजाद नगर संजय गाँधी मार्ग में राजेश वर्मा (38) पुत्र हरिश्चंद्र वर्मा अपनी पत्नी मंजू वर्मा एवं बेटे अभिषेक एवं विवेक का साथ रहकर प्राइवेट काम करता था। गुरुवार सुबह करीब 9रू30 बजे घर में पत्नी से घरेलू कलह के बाद गुस्से में आकर दूसरे कमरे में चला गया और दरवाजा भीतर से बंद कर दुपट्टे के सहारे पंखे से फांसी का फंदा बना फांसी लगा ली। थोड़ी देर बाद पत्नी दरवाजा खोलवाने पहुंची तो काफी खटखटाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला जिसपर शोर मचाना शुरू किया शोरगुल सुन मौके पर पडोसी एकत्र हो गए और काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना कमरे का दरवाजा तोडा तो युवक फंदे से लटका हुआ मिला। आनन फानन में पड़ोसियों ने युवक को फंदे से उतार लोकबंधु अस्पताल ले गए जहाँ डश्वक्टरों ने मृत घोषित कर दिया वहीं सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्कूल में परीक्षा दे रहे छात्र का मोबाईल फोन चोरी

खबर दृष्टिकोण सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में स्कूल में 12वीं की परीक्षा दे रहे छात्र का बैग में रखा मोबाईल फोन चोरी हो गया। प्रिंसिपल ने सीसी कैमरा चेक किया तो कैमरे में दूसरा छात्र फोन चोरी करता दिखाई दिया लेकिन आरोपी छात्र के इंकार करने पर छात्र के पिता ने स्थानीय थाना सरोजनीनगर में लिखित शिकायत की है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है। मोहनलालगंज जैतीखेड़ा के संजय कुमार का बेटा यशराज कानपुर रोड स्थित अवध कालिजिएट में 12वीं का छात्र है। बीते 6 जुलाई को उनका बेटा अपने स्कूल में परीक्षा दे रहा था परीक्षा दौरान अपना मोबाईल फोन बैग में डाल बाहर रख दिया था। परीक्षा बाद अपना बैग चेक किया तो उसमे मोबाईल फोन गायब था जिसकी शिकायत स्कूल प्रिंसिपल से की तो प्रिंसिपल ने स्कूल लगे सीसी टीवी कैमरा चेक किया तो कैमरे में उसके ही क्लास का छात्र सुधीर उपाध्याय उसका बैग खोल मोबाईल फोन चोरी करते दिखाई पड़ा लेकिन जब उससे पूछा गया तो उसने मोबाईल फोन लेने से इंकार कर दिया। जिसपर छात्र के पिता ने फुटेज आधार पर सरोजनीनगर थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है।

मकान का जंगला तोड़ दिनदहाड़े घर में लाखो रुपये के कीमती गहने व नगदी चोरी

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो ने दिन दहाड़े मकान का जंगला तोड़ घर में घुस लाखो रुपये के कीमती जेवर एवं नगदी चोरी कर लिए। पीड़ित जब शाम समय वापस लौटा तो घर का जंगला टुटा देख घर में चोरी की जानकारी होने पर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दे स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है।दुबग्गा थाना क्षेत्र के करमात पब्लिक स्कूल महिपतमऊ अंधे की चौकी निवासी मोहम्मद मुजम्मिल पुत्र स्व शहजादे बीते 17 जुलाई की सुबह अपनी पत्नी और बच्चो को मायके छोड़कर डियूटी चला गया था। शाम करीब 7रू30 बजे अपने घर वापस लौटे तो देखा कि घर का दरवाजा व जंगला तोड़ घर में घुस चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जिसपर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने जाँच के बाद पीड़ित की शिकायत पर चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित के मुताबिक चोरो ने उसके घर दो सोने का हार , तीन ग्राम की सोने की अंगूठी एवं ग्यारह हजार रूपये नगद चोरी हुए है। पुलिस चोरो की तलाश में जुटी है।

नगर निगम डिग्री कालेज के छात्र छात्राओं को मेयर ने वितरित किए स्मार्ट फोन टेबलेट

खबर दृष्टिकोण, लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा गुरुवार को अटल बिहारी बाजपेयी नगर निगम डिग्री कश्वलेज में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत स्मार्ट फोन टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में

सदस्य विधान परिषद एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री डश्व दिनेश शर्मा उपस्थित रहे।महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता एवं नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह की उपस्थिति में सफलता के साथ स्मार्ट फोन टेबलेट वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई।आयोजन में आये सभी अतिथितियों के स्वागत पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेट किया गया।आयोजन में आये छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक गतिविधियों ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए और सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्नातक अंतिम वर्ष के 173 छात्र - छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व उप मुख्यमंत्री डश्व दिनेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी के संयुक्त प्रयास से ही अच्छी शिक्षा संभव है। डश्वद्र शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा सांस□तिक, खेल, स्मार्ट क्लास, स्कश्वलरशिप, अभ्युदय योजन, कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि बहुत सारी निशुल्क योजनाएं संचालित हैं जिसे प्रबंधन के प्रयास से महाविद्यालय के लिए प्रस्ताव बनाना चाहिए। पूर्व संरक्षक होने के नाते उन्होने अपने महाविद्यालय से जुड़े बहुत सारे अनुभव भी साझा किया और महाविद्यलय के विकास के लिय घोषणा में कहा कि हमारी निधि से 25 लाख नगर निगम डिग्री कश्वलेज के लिय एवं नगर निगम द्वारा संचालित अन्य विद्यालयों के लिय बीस- बीस लाख धनराशि स्वीकृत करने की संस्तुति की गई है।

कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एआरएम बाराबंकी निलंबित, आर0एम0 लखनऊ को प्रतिकूल प्रविष्टि

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने आज राजेश कुमार सिंह,सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा अपने दायित्वों कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता बरतने, पर्यवेक्षीय नियंत्रण शिथिल रखने, डिपो परिक्षेत्र के अंतर्गत घटित घटनाओं को समय पर अटेण्ड न करने एवं सूचना उच्च स्तर को समय से न देने, निगम की छवि जनमानस में धूमिल करने एवं मुख्यालय द्वारा निर्गत आदेशों निर्देशों का अनुपालन न करने कराने आदि गम्भीर आरोप में अनुशासनिक कार्यवाही प्रख्यापित करते हुए तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है।ज्ञातब्य हो कि वाहन संख्या यूपी 53 एफएन-1747 लगभग 14रू30 बजे गोडारी मोड, सफदरगंज जनपद बाराबंकी में एक बैट्री रिक्शा से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रिक्शा में सवार 04 लोगों की मृत्यु हो गई व 05 लोग घायल हो गये। दुर्घटना बाराबंकी डिपो के परिक्षेत्र में घटित हुई दुर्घटना अटेण्ड करने का दायित्व राजेश कुमार सिंह का था। सिंह द्वारा न तो समय से क्षेत्रीय प्रबन्धक, लखनऊ व उच्च अधकारियों को सूचना दी गयी और न ही दुर्घटना समय रहते अटेण्ड की गयी। उन्हेंने बताया कि परिवहन मंत्री के निर्देश है कि कार्य में लापरवाही या शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।इसी प्रकरण में मनोज कुमार, क्षेत्रीय प्रबन्धक, लखनऊ को, उनकी चरित्र पंजिका में षविशेष परिनिन्दा प्रविष्टि अंकित करने का भी आदेश प्रबंध निदेशक ने जारी कर दिया है। प्रकरण में आर एम लखनऊ द्वारा अपने दायित्वों कर्तव्यों के निर्वहन में संवेदनशीलता नहीं बरती गयी। पर्यवेक्षीय नियंत्रण शिथिल होने के कारण क्षेत्र के अंतर्गत घटित दुर्घटना को उनके द्वारा व अन्य के द्वारा समय पर अटेण्ड नहीं किया गया, जो घोर लापरवाही है व अत्यंत निराशाजनक स्थिति है।

पशुधन विभाग के अधिकारी 22 जुलाई को गौशालाओं में अनिवार्य रूप से करें वृक्षारोपण

गो–आश्रय स्थलों पर चारे, प्रकाश, पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय–धर्मपाल सिंह

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास, अल्प संख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, राजनैतिक पेंशन तथा नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मपाल सिंह ने गो–आश्रय स्थलों का निरीक्षण एवं निराश्रित गोवंश के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के तीन दिवसीय स्थलीय निरीक्षण पर गये नोडल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी गोवंश के संरक्षण के लिए पूरी ईमानदारी और मेहनत से कार्य करें। उन्होंने नोडल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि निराश्रित गोवंशों की और बेहतर देखभाल के लिए क्या कदम उठाये जा सकते हैं इस विषय पर भी गम्भीरता एवं संवेदनशीलता के साथ विचार कर कार्य किया जाए। धर्मपाल सिंह आज विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में दिनांक 13 से 15 जुलाई तक प्रदेश के विभिन्न मण्डलों पर भ्रमण पर गये नोडल अधिकारियों की रिपोर्ट पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने निराश्रित गोवंश के आश्रय स्थल पर उपलब्ध सुविधाओं जैसे– चारे, भूसा, पेयजल, प्रकाश तथा बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव आदि के सम्बंध में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंश के देखभाल में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। राज्य सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण के प्रति बेहद संवेदनशील है। इसलिए गोवंश के लिए संचालित सभी कार्यक्रमों का ईमानदारी से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।पशुधन मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानीय जिला प्रशासन के सहयोग से चारागाहों के लिए आरक्षित भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए हर संभव प्रयास किये जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि चारागाहों की रिक्त भूमि पर गोवंश के लिए हरे चारे ज्वार–बाजरा की बुआई तथा बरसीम, नेपियर घास लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने नोडल अधिकारियों से कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के संकल्पों के अनुरूप सघन वृक्षारोपण के लिए नोडल अधिकारी अपनी सुविधानुसार किसी एक जनपद की गोशाला में 22 जुलाई को वृक्षारोपण अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वृक्षारोपण के लिए पीपल, पाकड़, बरगद, गूलर तथा जामुन के पौधे लगाने के प्रयास किये जाएं।पशुधन मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि निरीक्षण के दौरान जिन जनपदों में गोशालाओं के रखरखाव में कुछ कमियां प्रकाश में आयी हैं उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाय। जिन जनपदों में एमवीयू का सफल संचालन नहीं हो रहा है, वहां संचालन सुनिश्चित कराएं और 1962 नंबर का प्रचार प्रसार भी करायें। पत्राचार पर 1962 का 'लोगो' अनिवार्य रूप से प्रयोग किया जाय। इसी के साथ ही ब्लॉक, गो आश्रय स्थल, पशुचिकित्सा केंद्र पर यह नंबर पेंट कराएं। इसके अलावा गोशालाओं के निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करायी जाय।बैठक में उपस्थित अपर मुख्य सचिव पशुधन डॉ0 रजनीश दूबे ने वाराणसी एवं आजमगढ़ मण्डल की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि गो–आश्रय स्थलों पर माननीय मंत्री जी की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि गोवंश की बेहतरी के लिए संचालित सभी कार्यक्रमों को कड़ाई से लागू कराया जायेगा। समीक्षा बैठक में विशेष सचिव पशुधन शिव सहाय अवस्थी, दुग्ध आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील, निदेशक पशुपालन प्रशासन एवं विकास डॉ0 इंद्रमणि के अलावा पशुधन विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ0 नीरज गुप्ता एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चोरी के मोबाईल फोन संग दो शातिर चोर गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आलमबाग पुलिस टीम गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर थाना से दो शातिर चोरो को चोरी के एक मोबाईल फोन संग गिरफ्तार किया है। आलमबाग कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर महादेवन ने बताया कि मुखबिर की सुचना पर कैरिज वर्क शाप गेट के सामने से दो शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से चोरी का एक मोबाईल फोन बरामद हुआ है जिनके खिलाफ चोरी की धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है। चोरो ने अपना परिचय अनिल कुमार सोनी पुत्र दिलीप सोनी ग्राम डाडा थाना अतरौली जनपद हरदोई व सुशील कौशल पुत्र मनोज सेठ निवासी सआदतगंज थाना कोतवाली बाराबंकी जनपद बाराबंकी के रूप में दिया है।

साइबर जालसाजो ने युवक के खाते से 69हजार रूपये उड़ायें

साइबर जालसाजो ने एटीएम कार्ड क्लोन कर युवक के खाते से उड़ाये हजारो रूपये,मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कस्बे में स्थित एसबीआई एटीएम मशीन से पैसे निकालने गये युवक का एटीएम कार्ड क्लोन कर साइबर जालसाजो ने खाते कुछ ही घंटो में कई बार में69हजार रुपये उड़ा दियें।मोबाइल फोन पर खाते से हजारो रुपये निकलने का मैसेज आने के बाद युवक के होश उड़ गये।पीड़ित की शिकायत पर पुलिस अज्ञात जालसाज पर धोखाधड़ी की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी है। मोहनलालगंज के ढ़ेहवा गांव निवासी अजय लोधी ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया 16जुलाई को मोहनलालगंज कस्बे में स्थित एसबीआई एटीएम पर पैसे निकालने गया था,जहां कई बार प्रयास के बाद भी एटीएम मशीन से पैसे नही निकले।जिसके बाद दूसरे एटीएम पर पैसा निकालने पहुंचा ही था की साइबर जालसाजो ने उसका एटीएम क्लोन कर दो बार में दस–दस हजार रूपये व पीजीआई से एक बार में चार हजार रूपये व उतरठिया के प्रशांत ज्वैलर्स से 45हजार रूपये का सोना खरीद डाला।आखिर लेनदेन जो प्रशांत ज्वैलर्स के यहा हुआ उसकी जानकारी होते ही तत्काल काल कर भुगतान रूकवा दिया।वही जालसाजो की पूरी करतूत ज्वैलरी शाप में लगे कैमरे में कैद है।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात जालसाज के विरूद्व धोखाधड़ी की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

नगर निगम जोन आठ भवन कर घोटाले मामले में संयुक्त सचिव ने एक हफ्ते में मांगी जाँच आख्या रिपोर्ट

नगर निगम को पत्रावली जारी कर लगाई फटकार दो माह में नहीं प्रस्तुत नहीं की जा सकी जाँच रिपोर्ट

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ नगर निगम जोन आठ क्षेत्रा अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर के भवन संख्या डी 1153 व डी 1154 के भवनकर निर्धारण मामले में हुए वित्तीय घोटालो को लेकर मार्च माह में संजय तिवारी द्वारा राज्यमंत्री विज्ञानं एवं प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रोनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी अजीत पाल से शिकायत किया था जिसपर जाँच का आदेश जारी कर जाँच आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश जारी किया गया था लेकिन विभाग के सुस्त रवैये के कारण दो माह बाद भी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया गया। विभाग के इस रवैये से नाखुश उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव कल्याण बनर्जी ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए विभाग को पत्रावली जारी कर एक हफ्ते में कर अनियमिताओ को लेकर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का पुनः आदेश जारी किया है।

गो–आश्रय स्थलों पर चारे, प्रकाश, पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय–धर्मपाल सिंह

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास, अल्प संख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, राजनैतिक पेंशन तथा नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मपाल सिंह ने गो–आश्रय स्थलों का निरीक्षण एवं निराश्रित गोवंश के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के तीन दिवसीय स्थलीय निरीक्षण पर गये नोडल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी गोवंश के संरक्षण के लिए पूरी ईमानदारी और मेहनत से कार्य करें। उन्होंने नोडल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि निराश्रित गोवंशों की और बेहतर देखभाल के लिए क्या कदम उठाये जा सकते हैं इस विषय पर भी गम्भीरता एवं संवेदनशीलता के साथ विचार कर कार्य किया जाए। धर्मपाल सिंह आज विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में दिनांक 13 से 15 जुलाई तक प्रदेश के विभिन्न मण्डलों पर भ्रमण पर गये नोडल अधिकारियों की रिपोर्ट पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने निराश्रित गोवंश के आश्रय स्थल पर उपलब्ध सुविधाओं जैसे– चारे, भूसा, पेयजल, प्रकाश तथा बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव आदि के सम्बंध में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंश के देखभाल में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। राज्य सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण के प्रति बेहद संवेदनशील है। इसलिए गोवंश के लिए संचालित सभी कार्यक्रमों का ईमानदारी से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पशुधन मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानीय जिला प्रशासन के सहयोग से चारागाहों के लिए आरक्षित भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए हर संभव प्रयास किये जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि चारागाहों की रिक्त भूमि पर गोवंश के लिए हरे चारे ज्वार–बाजरा की बुआई तथा बरसीम, नेपियर घास लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने नोडल अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के संकल्पों के अनुरूप सघन वृक्षारोपण के लिए नोडल अधिकारी अपनी सुविधानुसार किसी एक जनपद की गोशाला में 22 जुलाई को वृक्षारोपण अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वृक्षारोपण के लिए पीपल, पाकड़, बरगद, गूलर तथा जामुन के पौधे लगाने के प्रयास किये जाएं। पशुधन मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि निरीक्षण के दौरान जिन जनपदों में गोशालाओं के रखरखाव में कुछ कमियां प्रकाश में आयी हैं उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाय। जिन जनपदों में एमवीयू का सफल संचालन नहीं हो रहा है, वहां संचालन सुनिश्चित कराएं और 1962 नंबर का प्रचार प्रसार भी करायें। पत्राचार पर 1962 का 'लोगो' अनिवार्य रूप से प्रयोग किया जाय। इसी के साथ ही ब्लॉक, गो आश्रय स्थल, पशुचिकित्सा केंद्र पर यह नंबर पेंट कराएं। इसके अलावा गोशालाओं के निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करायी जाय। बैठक में उपस्थित अपर मुख्य सचिव पशुधन डॉ0 रजनीश दूबे ने वाराणसी एवं आजमगढ़ मण्डल की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि गो–आश्रय स्थलों पर मंत्री की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि गोवंश की बेहतरी के लिए संचालित सभी कार्यक्रमों को कड़ाई से लागू कराया जायेगा। समीक्षा बैठक में विशेष सचिव पशुधन शिव सहाय अवस्थी, दुग्ध आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील, निदेशक पशुपालन प्रशासन एवं विकास डॉ0 इंद्रमणि के अलावा पशुधन विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ0 नीरज गुप्ता एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विनीत संग बर्बरता मामले में आरोपी निलम्बित सिपाहियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। मानक नगर थाना क्षेत्र में बीते मंगलवार रात दिल्ली के लिए बस पकड़ने आये छात्र संग सिपाहियों द्वारा बर्बरता करने और अवैध मादक पदार्थ पुडिया रख तस्कर बनाने के मामले में आरोपी सिपाहियों के निलम्बन के बाद पुलिस ने छात्र की शिकायत पर आरोपी सिपाहियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। लखनऊ के इंदिरा नगर सी ब्लाक निवासी विनीत सिंह दिल्ली से आईएएस

की तैयारी कर रहे है बीते मंगलवार रात दिल्ली के लिए बस पकड़ने बारावीरवा चौराहे पर पहुंचे थे इसी दौरान सिपाही अनमोल अपने दो साथियों संग एक उबर चालक की पिटाई कर रहे थे जिसपर छात्र ने बीच बचाव में बोल पड़ा तो सिपाहियों ने छात्र संग अभद्रता शुरू कर दी और छात्र का मोबाईल फोन सड़क पर पटक तोड़ दिया था और जबरन रिक्शे पर बैठा रेलवे लाईन के किनारे ले जाकर छात्र के जेब में स्मैक व गांजा की पुडिया डाल तस्कर बनाने में जुट गए थे और जेब रखे सात सौ रूपये छीन लिए थे। छात्र मध्य प्रदेश में अपने प्रशिक्षु आईपीएस मित्र को घटना से अवगत कराया जिसपर छात्र पुलिस के चंगुल से मुक्त हो सका था जिसके बाद छात्र ने दिल्ली जाने का विचार छोड़ न्याय की लड़ाई लड़ने की बात मन में बैठा ली और एसीपी काकोरी अनूप कुमार से मुलाकात कर आरोपी सिपाहियों के खिलाफ लिखित शिकायत की थी जिसके बाद एसीपी अनूप कुमार ने मामले की जाँच करते हुए आरोपी सिपाहियों को दोषी पाए जाने पर पुलिस मैनुअल के तहत कार्यवाई करते हुए निलम्बित कर दिया था और स्थानीय पुलिस को मामले में मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी किया था। मानक नगर थाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष चन्द्र ने बताया कि छात्र की शिकायत पर सिपाहियों द्वारा शिकायतकर्ता के जेब से पैसे छीन लेने, मारपीट करने गाली गलौज करने एवं झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी देने के मामले मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मुकदमे में नहीं शामिल किया गया मोबाईल तोड़ने की धारा।

छात्र विनीत की शिकायत पर पुलिस ने मोबाईल फोन तोड़ने की धारा का जिक्र नहीं किया जबकि आरोपित सिपाहियों ने सर्वप्रथम का छात्र का मोबाईल फोन छीन सड़क पर पटक दिया था जिससे मोबाईल फोन क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन पुलिस ने दर्ज मुकदमे में इस बात को नहीं शामिल किया और न ही मोबाईल तोड़ने की धारा लगाई।

बाढ़ से बचाव व राहत के लिए 41 जिलों में पूर्वाभ्यास सम्पन्न

राष्ट्रीय व राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के शीर्ष अधिकारियों ने की शिरकत

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से गुरूवार को प्रदेश के 41 जनपदोंपीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, बाराबंकी, गोण्डा, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बदायूं फर्रूखघबाद, बिजनौर, बलरामपुर, श्रावस्ती, महाराजगंज, गाजीपुर, उन्नाव, बुलंदशहर, कासगंज, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, हमीरपुर, शामली, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, हरदोई, अलीगढ़, प्रयागराज, वाराणसी, मैनपुरी, शाहजहांपुर एवं लखनऊ मेंबाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित किया गया। मॉक एक्सरसाइज की अध्यक्षता उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ले0ज0 रविन्द्र प्रताप शाही एवीएसएम द्वारा किया गया। वहीं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली कर्नल कीर्ति प्रताप सिंह, सलाहकार (ऑपरेशन) एवं कर्नल नदीप अरशद (से0नि0) द्वारा अभ्यास का समन्वय किया गया। कार्यक्रम

का शुभारम्भ प्राधिकरण के वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर प्रमोद कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित अनूप प्रधान बाल्मीकि, राज्यमंत्री, राजस्व विभाग, उ0प्र0 ने कहा कि राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का उद्देश्य किसी भी आपदा से निबटने हेतु सरकारी मशीनरी के उपयोग व जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने जी0एस0 नवीन कुमार, सचिव राजस्व एवं राहत आयुक्त व राज्य प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के साथ लखनऊ में सभी विभागों के स्टॉल, कमान्ड पोस्ट तथा राहत शिविर का भ्रमण किया एवं आपदा मित्रों के साथ बाढ़ आपदा में उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में चर्चा किया। वहीं, राहत आयुक्त जी0एस0 नवीन कुमार ने बताया कि बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज तीन चरणों में सम्पन्न कराया जाता है, जिसका तीसरा चरण आज मॉक एक्सरसाइज है। इसमें प्रदेश के चिन्हित जनपद भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, पीएएस फ्लड यूनिट, सीआईएसएफ, कृषि विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, सिंचाई एवं स्वास्थ्य, पंचायतीराज, खाद्य एवं रसद विभाग, परिवहन विभाग, ऊर्जा विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग, दूरसंचार विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पशुपालन, लोक निर्माण विभाग, आपदा मित्र के साथ अपने-अपने जनपद में राहत-बचाव के कार्य, राहत शिविर प्रबंधन, चिकित्सा शिविर प्रबंधन के साथ अन्य बिन्दुओं पर कार्यवाही एसओपी एवं इन्सीडेंट रिस्पांस सिस्टम के अनुसार किया गया।

राहत आयुक्त ने बताया कि मॉक एक्सरसाइज के अन्तर्गत सबसे पहले राज्य स्तरीय कन्ट्रोल रूम से सभी जनपदों को बाढ़ अलर्ट की सूचना दी गयी। उसके उपरान्त जनपदों में एसओपी एवं इन्सीडेंट रिस्पांस सिस्टम के अनुसार कार्यवाही शुरू किया गया। बताया कि प्राधिकरण में उपस्थित राज्य स्तरीय अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सजीव चित्रण देखा एवं उनके कार्यों की समीक्षा भी की। जनपद बरेली में भारतीय वायु सेना ने हेलीकाप्टर द्वारा खाद्य सामग्री वितरण एवं बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उसके उपरान्त प्राधिकरण के सभी सदस्यों ने लखनऊ में नागरिक सुरक्षा संस्थान, छठा मील, बख्शी का तालाब के पास आयोजित मॉक एक्सरसाइज के स्थल का निरीक्षण किया गया। उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय व राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के शीर्ष अधिकारियों के अलावा संबंधित जनपदों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

सीएसआर फंड से बनेंगी पांच कम्प्यूटर लैब, अभ्युदय कोचिंग व रोजगारपरक कोर्स की होगी व्यवस्था

महापौर व नगर आयुक्त पूरक बनकर कर रहे हैं बेहतर कार्य, खिल उठेगा नगर निगम

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ। पूर्व उपमुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा ने कहा कि अच्छी शिक्षा राष्ट्र निर्माण के लिए बेहतर नागरिक तैयार करती है। शिक्षा के मंदिर का जीर्णोद्धार सबसे पवित्र कार्य है क्योंकि ये राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं। जब स्कूल अच्छे होंगे तो यहां पर शिक्षा भी अच्छी मिलेगी और अच्छी शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही आने वाले समय में बेहतर नागरिक बनकर राष्ट्र की सेवा कर सकेंगे। वे अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत निरूशुल्क स्मार्टफोन वितरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री ने छात्रों को स्मार्टफोन देकर उनको ज्ञान अर्जित कर जीवन में सफल होने की कुंजी प्रदान की।

उन्होंने आज अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज सहित नगर निगम के पांच अन्य विद्यालयों में कक्ष निर्माण व अन्य सुविधाओं के विकास के लिए अपनी विधायक निधि से 1.25 करोड रुपए की धनराशि महापौर सुषमा खर्कवाल जीके आग्रह पर देने की घोषणा की है। इसके साथ ही बच्चों को आधुनिकतम ज्ञान की सुविधा के लिए इन कालेजों में सीएसआर फंड से पांच कम्प्यूटर लैब के निर्माण के लिए भी संस्थाओं से बात करके व्यवस्था कराने की घोषणा की। नगर निगम के इस कालेज व विद्यालयों में पढने वाले बच्चों को अब शिक्षा के साथ ही रोजगारपरक शिक्षा भी प्रदान करने का सुझाव दिया इसे महापौर ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। इसके लिए कौशल विकास के कोर्स आरंभ किए जाएंगे।

इस डिग्री कालेज में पढने वाले गरीब बच्चे भी अब प्रशासनिक सेवाओं में जाने का सपना देखकर उसे पूरा कर सकेंगे तथा राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकेंगे। डा शर्मा ने लखनऊ के गरीब बच्चों के लिए निशुल्क अभ्युदय कोचिंग की व्यवस्था विद्यालय में कराने के लिए कहा इसे भी महापौर एवं नगर आयुक्त ने कार्यान्वित करने को कहा। आज का दिन नगर निगम के विद्यालयों व महाविद्यालय के बच्चों के लिए सौगातों से भरा दिन था जब उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ साथ शारीरिक विकास के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने तमाम सुविधाए आरंभ करने की घोषणाएं की। उन्होंने बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद की सुविधाएं जुटाने और ओपन जिम की व्यवस्था करने के लिए संबंधित मंत्रालय से वार्ता करने की बात की।

इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि नगर नगम के स्कूलों से उनका गहरा जुडाव है और इनकी बेहतरी के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। अटल बिहारी वाजपेयी डिग्री कालेज जिस क्षेत्र में स्थापित है वहां पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय में केन्द्र सरकार की योजना से बिजली नाली सडक आदि सुविधाओं का विकास हुआ जिसके बाद इस क्षेत्र की सूरत ही बदल गई थी। इस कालेज की स्थापना के बाद महाविद्यालय के नामकरण के लिए तमाम सुझाव मिले थे पर क्योंकि लखनऊ आदरणीय अटल जी की कर्मभूमि रही है इस लिए इसका नाम अटल जी के नाम पर रखा गया है। उनका कहना था कि महापौर और नगर आयुक्त एक दूसरे के पूरक बनकर बहुत अच्छा कार्य कर रहे है पूरा नगर निगम से इससे खिल उठेगा। आज लखनऊ में उसी भावना से कार्य हो रहा है। इसी प्रकार विद्यालय परिवार में भी प्राचार्य और शिक्षक एक दूसरे के पूरक होते हैं। डा शर्मा ने बताया कि जब वे महापौर बने तो उस समय मे नगर निगम के विद्यालयों को बन्द करने की बात हो रही थी पर तमाम उपाय के बाद इन विद्यालयों को बचाया गया। जब वे उपमुख्यमंत्री बने तब अमीनाबाद इंटर कालेज के शिक्षकों का वेतन सरकार के माध्यम से दिलाने की व्यवस्था की गई।

अब इस डिग्री कालेज के शिक्षकों के वेतन के लिए भी शासन को वैसा ही एक प्रस्ताव भेजा जाना चाहिए। ऐसा करने से महाविद्यालय में पठन पाठन की व्यवस्था बेहतर होगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने इन विद्यालयों की बेहतरी के लिए सुझाव देते हुए कहा कि एक नोडल अधिकारी बनाकर इन विद्यालयों व महाविद्यालय को शासन की योजनओं से आच्छादित कराने का प्रयास किया जाना चाहिए। इससे पुस्तकें, स्पोर्टस किट आदि निरूशुल्क मिल सकेंगी। इस कालेज के बच्चों के लिए आईएएस पीसीएस की कोचिंग की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के अपने प्रयोगो को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय नकलविहीन परीक्षा, सत्र नियमितीकरण ,पाठ्यक्रम में परिवर्तन रोजगार परक शिक्षा का प्रयोग ने सूबे के शिक्षा तंत्र में बदलाव किया। यहां पर कौशल विकास के कोर्स आरंभ किए जाए जिससे ज्ञान हासिल करते करते ही बच्चे रोजगार के लायक बन सकें।

उन्होंने आज नगर निगम की छै विद्यालयों व महाविद्यालय के लिए अपनी निधि से 1.25 करोड रुपए की राशि देने की घोषणा की है उनमें अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज , अमीनाबाद इंटर कालेज , काश्मीरी मोहल्ला गर्ल्स इंटर कालेज , मॉडर्न मान्टेसरी काश्मीरी मोहल्ला , चिल्ड्रेन पैलेस माल एवेन्यू माडल मान्टेसरी शामिल हैं। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल , नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने अपने संबोधन में नगर निगम के सभी विद्यालयों में व्यापक सुधार और परिवर्तन लाने का संकल्प लिया उन्होंने नगर निगम द्वारा शिक्षा में किए गए कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्राचार्य सुभाष पांडे एवं पार्षद प्रतिनिधि हरीश अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

वहन की चाकू से गोदकर हत्या कर देने एवं गैस से जला देने के मामले में हत्यारा भाई गिरफ्तार

माँ पर भी चाकू से हमला कर किया था घायल,तीसरी मंजिल से कूदकर भागने के प्रयास में हुआ था चोटिल अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। कैंट थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक सनकी भाई ने रात्रि समय अपने घर में माँ को चाकू से हमला कर घायल करने के बाद बहन को चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी फिर और सिलेंडर खोल कर आग लगा बहन को जला दिया था जिससे क्षेत्र में हडकंप मच गया था सूचना पर पहुंची पुलिस को देख आरोपी तीन मंजिले पर चढ़ गया था जिसे पुलिस ने काफी पकड़ने का प्रयास किया लेकिन छत से कूदकर जान दे देने की धमकी देने लगा पुलिस काफी प्रयास करती रही लेकिन पुलिस की बात मानने को तैयार नहीं था वहीं भागने के चक्कर में पड़ोस के तीसरे मंजिल की छत से टीन शेड पर गिरकर घायल हो गया था जिसे

एम्बुलेंस द्वारा इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया था वहीं गुरुवार को डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए हत्यारोपी भाई को जेल भेज दिया है।कैंट थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मटरू मोहाल सदर निवासी आरोपी भाई मो सलमान पुत्र निसार अहमद ने अपनी बहन को चाकू से वार कर हत्या कर दिया था जिसके बाद सिलेंडर खोलकर उसके शव को जला दिया था इस दौरान अपनी माँ को भी चाकू से घायल कर दिया था जिनका केजीएमयू में भर्ती कर इलाज चल रहा है इस घटना से क्षेत्र में हडकंप मच गया था घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मकान के तीसरे मंजिल पर चढ़ गया था जिसे पुलिस और मौजूद लोगो काफी नीचे उतारने का प्रयास किया लेकिन आरोपी नीचे नहीं उतरा और जानमाल की धमकी देता रहा देर रात्रि आरोपी तीसरे मंजिल से पड़ोस के सटे मकान के टीनशेड पर कूद गया जिससे घायल हो गया था जिसे एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल भेजा गया जहाँ आरोपी का भर्ती कर इलाज शुरू किया गया वहीं पिता निसार अहमद की शिकायत पर आरोपी बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मृतका का शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। गुरुवार को आरोपी को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है जिसके बाद आरोपी को कस्टडी में लेते हुए दर्ज मुकदमे में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

जैन समाज ने किया प्रदर्शन,महंत की हत्या के विरोध में जुलूस निकाला

बहराइच,20 जुलाई 2023 (यूएनएस)। जिले में जैन समाज के लोगों की हत्या और असुरक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट में जैन समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। जैन समाज के लोग शहर के मुख्य मार्ग से प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपना मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। श्री दिगंबर जैन समाज के जिलाध्यक्ष अजय कुमार जैन की अगुआई में गुरुवार को जैन समाज के लोग एकत्रित हुए। सभी ने शहर में स्थित जैन मंदिर से जुलूस निकाला। जुलूस शहर भर में भ्रमण करते हुए कलेक्ट्रेट तक पहुंची। इसके बाद जैन समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष अजय कुमार जैन ने कहा कि कर्नाटक में जैन मुनि समाज के मुनि काम सागर नंदी मुनिराज की हत्या कर दी गई थी। लेकिन कर्नाटक पुलिस ने कार्रवाई करने में भेदभाव की। इसके अलावा कम संख्या में देश में मौजूद जैन समाज के लोगों को जगह-जगह टारगेट किया जा रहा है। इससे समाज के लोगों में नाराजगी फैल रही है। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट के प्रतिनिधि को सौंप कर समाज पर हो रहे अत्याचार को रोकने की मांग की। जैन समाज को सुरक्षा प्रदान करने की आवाज उठाई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम करण टेकडीवाल, महामंत्री डॉ. डिंपल जैन, जैन समाज के महामंत्री रितेश जैन कोषाध्यक्ष संजीव जैन, वैभव जैन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ए0के0 शर्मा ने वृक्षारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए प्रदेशवासियों से की अपील

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर 22 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान-2023 मेंआगरा एवं मथुरा जनपद मेंजाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम मेंप्रतिभाग करेंगे। इस दौरान आगरा जनपद के प्रभारी मंत्री के रूप में ताज नगरी फेज-2, जोनल पार्क के मुख्य द्वार के सामने चिन्हित भूमि पर पौधरोपण करेंगे। इसके साथ ही जनपद के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं भी पौधरोपण करेंगे। सभी विद्यालयों, कॉलेजों के बच्चों को इस अभियान से जोड़ा जायेगा और उनके माध्यम से भी पौधरोपण कराया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में हर ग्राम पंचायत तथा सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में भी पौधरोपण किया जायेगा। वृक्षारोपण अभियान-2023 मेंप्रदेशभर में 35 करोड़ पौधरोपण के सापेक्ष आगरा में 50 लाख एवं मथुरा में 35 लाख पौधरोपण किया जायेगा। नगर विकास मंत्री ने सभी निकाय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि वृक्षारोपण अभियान के दौरान अधिकारी अपने निकायों में लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण कराएं एवं पौधों के संरक्षण व देखभाल भी अवश्य करें जिससे कि निकायों को हरा-भरा बनाया जा सके। इस बार सभी निकायों में 35 लाख पौधे रोपित किये जाने हैं। इसके लिए स्थान का चिन्हांकन और गड्ढा खुदाई कार्य को समय से पूर्ण कर लें, जिससे कि निर्धारित तिथियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अपने निकाय के नवनिर्वाचित जन-प्रतिनिधियों, विधायकों, गणमान्य एवं वरिष्ठ नागरिकों, शहीदों के परिवारों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों को भी कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए बुलाया जाय। उन्होंने निकायों के सभी जन-प्रतिनिधियों एवं विधायकों से भी अपील की है कि इस दौरान वे स्वयं भी अपने-अपने निकाय के क्षेत्रों में पौधरोपण कार्यक्रम का नेतृत्व करें और क्षेत्र के निवासियों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने एवं इनके संरक्षण के लिए प्रेरित भी करें।

उन्होंने प्रदेशवासियों से भी अपील की है कि वृक्षारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने आस-पास के क्षेत्रों में पौधरोपण अवश्य करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन व जीवन बचाने के लिए पौधों का रोपण एवं संरक्षण आवश्यक है। पौधों को रोपित करने साथ ही उनकी सुरक्षा का भी ख्याल रखा जाये। इस बार का वृक्षारोपण कार्यक्रम "पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओं" थीम पर किया जा रहा है। नगर विकास मंत्री ने वन महोत्सव को उत्सव की तरह मनाने का आह्वान किया और कहा कि जनसहभागिता के द्वारा ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हरितिमा एप को डाउनलोड कर जो भी पौधारोपण कराएं उसका जियो टैग कराएं।

नए पीएचडी अध्यादेश के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिखाई शोध और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ ।लखनऊ, भारत कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के दूरदर्शी नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय ने आज शोध और अकादमिक उत्कृष्टता को मजबूत करने की दिशा मेंएक महत्वपूर्ण कदम की घोषणा की। प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने आज एक नए पीएचडी अध्यादेश को तैयार करने के लिए सौंपी गई समिति की बैठक बुलाई, जिसमें एक ऐसे तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया गया जो पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिए सभी शोध गतिविधियोंका एक अभिन्न अंग होने के लिए शोध उत्कृष्टता पर बल देता है। राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा तैयार किए गए पीएचडी नियमों के अनुरूप, नया पीएचडी अध्यादेश गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और नवाचार और मौलिकता के माहौल को सतत बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।नए अध्यादेश का एक प्रमुख घटक प्रत्येक विभाग में साहित्यिक चोरी (चरसंहपंतपेउ) विरोधी समिति की स्थापना करना है। विभाग के प्रमुख और विभागाध्यक्ष द्वारा नामित दो शिक्षकोंसे बनी यह समिति पीएचडी थीसिस की जांच और सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, और यह सुनिश्चित करेगी कि वे किसी प्रकार की साहित्यिक चोरी से मुक्त हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान मेंशोध इंटेग्रिटी को बनाए रखने मेंअपने प्रयासोंको सुदृढ़ करने के लिए अत्याधुनिक साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर ल्स्लछ्छ ।र-का उपयोग कर रहा है।इस अवसर पर बोलते हुए, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय मेंअनुसंधान मानकोंको आगे बढ़ाने के लिए अपना अटूट समर्पण व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ज्ञान और अकादमिक उत्कृष्टता की खोज मेंशोध की अखंडता एक मौलिक स्तंभ है। नए पीएचडी अध्यादेश को तैयार करने के लिए जिम्मेदार समिति की मेंबर सेक्रेटरी प्रो पूनम टंडन ने अध्यादेश को तैयार करने मेंकिए गए सहयोगात्मक प्रयासों के बारे मेंअपना उत्साह साझा किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए उपाय शोधकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले शोध में संलग्न होने और अपने संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाएंगे। नया पीएचडी अध्यादेश शैक्षणिक सत्र 2023-24 से लागू होने वाला है। यह अपने विद्वानों के बीच शैक्षणिक इंटेग्रिटी और मौलिकता की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में विश्वविद्यालय की यात्रा में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है। कमेटी अपनी रिपोर्ट तीन दिन मेंजमा कर देगी।

दहेज हत्या में वांछित एक आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

खबर दृष्टिकोण सरोजनीनगर। बिजनौर थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व दहेज के लिए नवविवाहिता की गला घोटकर हत्या कर देने के मामले में स्थानीय पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज दहेज हत्या में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। बिजनौर थाना प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राणा ने बताया कि बीते 18 जुलाई को थाना क्षेत्र के ग्राम मढ़ई परवर पश्चिम में रहने वाले आलोक यादव पुत्र रमेश यादव, रमेश यादव पुत्र स्व. पंचम , अनूपमा यादव पत्नी रमेश यादव निवासी ने अपनी बहु ज्योति यादव को दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए गला घोटकर कर हत्या कर दिया था। जिससे हड़कंप मच गया था। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतका के मौत की खबर मायके पक्ष वालो को देशव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। वहीं मृतका के पिता रमाशंकर यादव पुत्र स्व. गंगाराम आरोपी ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज की मांग को लेकर आये दिन उसकी पुत्री को प्रताड़ित करने एवं हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए शिकायत किया था जिसपर आरोपियों के खिलाफ दहेज प्रथा एवं दहेज हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश किया जा रहा था वहीं गुरुवार को आरोपी रमेश यादव पुत्र स्व0 पंचम नि0 मेड़ईखेड़ा मजरा परवर पश्चिम थाना बिजनौर लखनऊ को गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाश किया जा रहा है।

ट्रैक्टर चालक को धमकाकर दीवान द्वारा पैसे वसूलने के मामले की एसीपी करेगे जांच

समाचार पत्रो में पूरे मामले की प्रमुखता से खबर छपने के बाद दीवान को सिसेंडी चौकी से हटाया गया

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी चौकी में तैनात दीवान की कारगुजारी ने बुद्धवार को खाकी पर सवाल खड़े कर दिये,मजह सौ रुपये के लिये ट्रैक्टर चालक को चौकी पर पकड़कर ले जाकर जबरन पैसे लेने के बाद दीवान ने उस पर गालियों की बौछार कर जेल भेजने की धमकी तक दे डाली,किसी तरह मौके पर हाथ पैर जोड़कर बाहर निकले पीड़ित चालक ने पूरे मामले की लिखित शिकायत एडीसीपी व इंस्पेक्टर को भेजने के साथ सोशल मीडिया पर दीवान की कारगुजारी को बताते हुये कार्यवाही की मांग की,जिसके बाद हड़कम्प मचा तो पीड़ित चालक को वीडियों में दिये गये बयान को बदलने के लिये मान-मनौव्वल शुरू हुयी ।लेकिन पीड़ित कार्यवाही किये जाने पर अड़ा रहा,जिसके बाद उसे धमकाने का दौर शुरू हुआ ओर पुलिस ने उसके बयान बदलवाकर पैसे लेने के आरोपो को सिरे से खारिज कर दिया ।हालाकि पूरे मामले की गुरुवार को समाचार पत्रो में प्रमुखता से छपी खबरो को संज्ञान में लेकर पुलिस अफसरो ने एसीपी मोहनलालगंज नितिन सिहं को जांच कर कार्यवाही के लिये रिपोट तलब की है ।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया दीवान पर चालक द्वारा सौ रूपये लेने के लगाये गये आरोप गलत है,फिर भी दीवान को सिसेंडी चौकी से हटाकर दूसरे हल्के में तैनाती दी गयी है ।उन्नाव के सोहो गांव निवासी हिम्मत अली ने शिकायती पत्र में आरोप लगाते हुये बताया था बुधवार को यूकेलिप्टस की लकड़ी ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर मोहनलालगंज बेचने जा रहा था,सिसेण्डी पुलिस चौकी पर ट्रैक्टर को रूकवाकर सौ रूपये दीवान रमेश को देने की बात कही गयी,छुट्टा ना होने पर उसने लौटकर पैसे देने की बात कही ओर माल उतारने के बाद लौटते समय दीवान को पैसे देना भूल गया,जिसके बाद जिसके बाद दीवान ने बाइक से उसका पीछा कर पकड़कर चौकी ले जाकर गालियों की बौछार कर जबरन सौ रूपये लेने के बाद किसी से कुछ भी कहने जेल भेजने की धमकी भी दी थी।

खाद की दुकानों पर छापेमारी,सात दुकानों का लाइसेंस निलंबित

बहराइच। जिले में सीमावर्ती खाद की दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। डीएओ की टीम ने मिहींपुरवा ब्लॉक में कई दुकानों की जांच शुरू की। टीम को देखकर सात दुकानदार दुकानें बंदकर भाग गए। इन दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। क्रय और विक्रय अभिलेखों में गड़बड़ी मिलने पर चार को नोटिस भी दी गई है। जिला कृषि अधिकारी सतीश पांडेय ने टीम के साथ मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान उर्रा, गंगापुर, अमृतपुर, हरखापुर, परसापुर, नैनिहा आदि क्षेत्रों की दुकानों की जांच की गई। जिला कृषि अधिकारी सतीश पांडेय की टीम को देखकर गंगापुर स्थित गौतम खाद भंडार, सनोज खाद भंडार, चंदेश्वर खाद भंडार, मौर्या खाद भंडार व अमृतपुर स्थित आदर्श खाद भंडार के संचालक दुकान का शटर गिरा कर भाग गए। इस पर पांचों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। वहीं, नीरज धनगर खाद भंडार हरखापुर व राजकिशोर खाद भंडार परसापुर के यहां बिक्री रजिस्टर व पॉश मशीन में खाद बिक्री सही नहीं पाई गई।

सम्पादकीय

सही तरह चले संसद

संसद के प्रत्येक सत्र के पहले जो सर्वदलीय बैठकें होती हैं, उनमें आम तौर पर यही सहमति बनती है कि दोनों सदनों की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाया जाएगा, लेकिन दुर्भाग्य से अभी तक का अनुभव यही रहा है कि प्रायः ऐसा होता नहीं। कई बार तो संसद का पूरा सत्र ही हंगामे की भेंट चढ़ जाता है। इसे कोई विस्मृत नहीं कर सकता और राजनीतिक दल तो बिल्कुल भी नहीं कि बजट सत्र किस तरह नारेबाजी की राजनीति का अखाड़ा बन गया था। क्या इससे दयनीय और कुछ हो सकता है कि आम बजट को बिना किसी चर्चा के पारित कराना पड़ा था? इसके पहले के सत्र भी विधायी कामकाज की दृष्टि से कोई बहुत अधिक संतोषजनक नहीं रहे थे। इसे देखते हुए यही आशा की जाती है कि मानसून सत्र के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक में सभी विषयों पर सार्थक चर्चा करने के अपने आश्वासन को लेकर पक्ष–विपक्ष, दोनों गंभीरता का परिचय देंगे। विपक्ष ने स्पष्ट किया है कि वह मणिपुर के हालात, महंगाई की स्थिति, बालेश्वर रेल हादसे समेत अन्य अनेक विषयों पर चर्चा करना चाहेगा। सत्तापक्ष का कहना है कि उसे इन विषयों पर चर्चा करने में हर्ज नहीं, लेकिन क्या इसके प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि पक्ष–विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने के लिए सच में प्रतिबद्ध रहेंगे? इस प्रश्न का सकारात्मक उत्तर सामने आना चाहिए, क्योंकि सरकार इस सत्र में कम से कम 31 विधेयक लाने की तैयारी में है। मानसून सत्र में कुल 17 बैठकें होनी हैं। इतने कम समय में 31 विधेयकों पर व्यापक चर्चा होना और उन्हें पारित कराना आसान नहीं, लेकिन यदि सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों अपने संसदीय दायित्वों के प्रति सजग हों तो ऐसा हो भी हो सकता है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि इस सत्र में जो विधेयक प्रस्तावित हैं, उनमें अनेक बेहद महत्वपूर्ण हैं और उन्हें पारित किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वे समस्याओं का समाधान करने के साथ देश की प्रगति में भी सहायक बनेंगे। राजनीतिक दल इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते और न उन्हें होना चाहिए कि जब आवश्यक विधेयक अटकते हैं या फिर उन्हें कानून का रूप देने में अनावश्यक देरी होती है तो कुल मिलाकर देश को ही क्षति उठानी पड़ती है। यह ठीक है कि पक्ष–विपक्ष संसद में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के साथ एक–दूसरे को कठघरे में खड़ा करने को तत्पर रहते हैं।

इंडिया से भारत की अपेक्षाएं

मंगलवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 26 विपक्षी दलों ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूजिव एलाएंस–इंडिया के नाम से गठबन्धन बनाकर जहां अगले लोकसभा चुनाव में इकठ्ठे उतरने की तैयारी कर ली है, वहीं दूसरी ओर उसी दिन सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सहयोगी दलों की बढ़ी हुई संख्या (38) के साथ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन (एनडीए) ने भी 2024 के महासमर के लिये कमर कस ली है। एनडीए का उद्देश्य डिफेंडर के रूप में अपनी केन्द्र की सरकार को बचाये रखना है, तो वहीं दूसरी तरफ चौलेंजर के रूप में उतरा नवनिर्मित गठजोड़ इंडिया उससे सत्ता छीनकर नयी सरकार बनाने का दृढ़ निश्चय कर चुका है। पिछले लगभग एक साल के दौरान पुनर्जीवित हुई कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील मोर्चे (यूपीए) में शामिल कई नयी–पुरानी साथी पार्टियां क्षेत्रीय संकीर्णताओं व व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को परे रखकर लोकतंत्र के व्यापक हित में संयुक्त शक्ति बनने के उत्साह से लबरेज दिख रही हैं। इंडिया बनाम एनडीए में कौन किसे पटकनी देता है यह तो अगले साल के मध्य में होने वाला चुनाव ही बतलाएगा, लेकिन यही वह समय है जब इस बात को समझना होगा कि लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली जनता और परिवर्तन का आतुरता से इंतजार कर रहा जनमानस इंडिया से कौन सी उम्मीदें लगाये बैठा है। पहले तो यह समझना होगा कि वे कौन से तत्व और कारक हैं जिनके कारण भारत के अधिसंख्य लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दो बार बनी सरकार से निराश हो गये हैं। पहला तो यह कि आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार बेहद असफल रही है। विभिन्न गलत वित्तीय फैसलों ने भारत को गरीबी व बेरोजगारी के गहरे कुंए में ढकेल दिया है। विकास के विभिन्न पैमानों पर देश अंतरराष्ट्रीय सूची में लगातार फिसड्डी साबित हो रहा है। नोटबन्दी व जीएसटी के गलत फैसलों ने देश की आर्थिक तबाही का रास्ता पहले ही खोल दिया था, जिसके कारण कोरोना काल में हुई करोड़ों लोगों की और भी दुर्गति हुई। ऐसे में भी मोदी के कारोबारी मित्रों का सतत अमीर होते जाना भी लोगों ने देखा था। जैसी आर्थिक असमानता देश में अभी बनी हुई है वैसी पहले कभी भी नहीं देखी गई। यूपीए सरकार ने 2004 से लेकर 2014 तक देश के करोड़ों गरीबों का जैसा विकास किया था, वह सारा मोदी सरकार ने निष्फल कर दिया। शिक्षा व स्वास्थ्य के गिरे हुए स्तर के साथ भारत के 80 करोड़ से ज्यादा लोग आज सरकारी अनाज पर जीवित हैं।

वैश्विक मुद्रा व्यापार सौदों पर काम कर रहा है भारत

अंजन रॉय

भारत के विकास और इसके उत्पादों की विश्व स्तर पर बढ़ती मांग के साथ, भारतीय मुद्रा व्यापक रूप से स्वीकार्य हो जायेगी। तब एक भारतीय के लिए भारतीय मुद्रा से भरा पर्स लेकर दुनिया भर में घूमना और सारा हिसाब–किताब अपनी मुद्रा में निपटाना संभव होना चाहिए, जैसा कि अब अमेरिकी कर सकते हैं। भारत तेजी से बढ़ते देशों के एक बड़े समूह के साथ स्थानीय मुद्रा व्यापार सौदों पर काम कर रहा है, जिससे हर व्यापार के लिए अमेरिकी डॉलर में बिलिंग से बचा जा सके। यह भारतीय मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक कदम है, ऐसे समय में जब देश अपने बाहरी क्षेत्र को खोल रहा है। भारत ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान उसके साथ व्यापार के स्थानीय मुद्रा चालान पर सहमति व्यक्त की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने संयुक्त अरब अमीरात के केंद्रीय बैंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इंडोनेशिया के साथ व्यापार के लिए इसी तरह की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है।

यूएई के साथ सौदा हो चुका है, परन्तु इंडोनेशिया के साथ इस नयी व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, जिसे गांधीनगर में वित्त मंत्रियों की जी–20 बैठक के दौरान प्रस्तावित किया गया था। इंडोनेशियाई लोग भारतीय डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म यूपीआई का उपयोग करने पर भी विचार कर रहे हैं। हालांकि इन व्यवस्थाओं के प्रमुख सकारात्मक पहलू हैं, लेकिन चिंता के कुछ क्षेत्र भी हैं। यदि भारत वास्तव में पर्याप्त संख्या में अन्य देशों के साथ ऐसे सौदों का प्रसार करने में सफल होता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेनदेन में भारतीय मुद्रा की स्थिति को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति होगी, तथा आखिर में भारत आईएमएफ के साथ अपनी मुद्रा को सबसे

स्वीकार्य मुद्रा में से एक के रूप में पोस्ट करने का दावा कर सकता है। लेकिन इसके लिए अमेरिकी डॉलर और यूरोपीय संघ के यूरो जैसी अन्य प्रमुख मुद्राओं के साथ भारतीय रुपये की विनिमय दर को स्थिर करने की आवश्यकता है।

वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर अमेरिका की पकड़ ऐसी है कि अपनी सभी कमियों के बावजूद, अमेरिकी डॉलर वैश्विक व्यापार के लिए प्रमुख आरक्षित मुद्रा है। यह सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली मुद्रा है। इतना ही नहीं, अमेरिकी डॉलर का पर्याप्त वैश्विक भंडार है। यह किसी भी प्रकार की मुद्रा का एक बहुत ही महत्वपूर्ण गुण है। परिणामस्वरूप, जिन देशों के विदेशी व्यापार में अधिशेष होता है, वे अपने व्यापार को अमेरिकी डॉलर में दर्शाने के अलावा, अपने खाते अमेरिकी मुद्रा में भी रखते हैं। उदाहरण के लिए, वैश्विक तेल व्यापार मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में होता है और सभी देश अपने खाते में अमेरिकी डॉलर में रखते हैं। इस प्रणाली के साथ समस्या यह है कि युद्ध और संघर्ष के समय अमेरिकी डॉलर भी एक हथियार है। अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को डॉलर तक पहुंच से वंचित कर उसे दंडित करने की कोशिश की। इसी तरह, ईरान को उसके परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए डॉलर देने से इंकार कर दिया गया। अमेरिका द्वारा अनुपस्थित देशों के खिलाफ लगाये गये प्रतिबंधों को हथियार के रूप में डॉलर के साथ लागू किया जा सकता है। चीन ने व्यापार के माध्यम के रूप में अमेरिकी डॉलर के साथ अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश की। चूंकि चीन का वैश्विक व्यापार बहुत बड़ा है और इसने भारी आर्थिक ताकत विकसित कर ली है, इसलिए देश ने व्यापार के माध्यम के रूप में चीनी मुद्रा, रॅन्मिन्बी के उपयोग को बढ़ावा देने की मांग की। इसने अपनी मुद्रा को आईएमएफ की विशेष मुद्रा टोकरी– एसडीआर में एक चुनिंदा बैंड के रूप में आगे बढ़ाने की भी मांग की। हालांकि, किसी मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण कुछ लागत और सीमाएं लगाता है। चीनी मुद्रा अब तक ट्रेड मिल के लिए व्यापक रूप से स्वीकृत नहीं हो सकी है क्योंकि इसकी मुद्रा पूरी तरह से परिवर्तनीय नहीं है और मुद्रा में व्यापार पर प्रतिबंध हैं। इसके अतिरिक्त, यह माना जाता है कि रॅन्मिन्बी पूरी तरह से बाजार–संचालित नहीं है। इसकी विनिमय दरों में देश के केंद्रीय बैंक द्वारा हेरफेर किया जाता है और इसकी आंतरिक आर्थिक मजबूरियों के अनुरूप किया जाता है। मुद्रा को उसकी वास्तविक बाजार निर्धारित परिवर्तन दर का पता लगाने के लिए तैरने नहीं दिया जाता है। विनिमय दर, बाजार की कई अन्य अनिश्चितताओं के बीच, संबंधित केंद्रीय बैंक की ब्याज दर और उसकी मौद्रिक नीति के प्रबंधन पर निर्भर करती है। यदि आपकी मुद्रा वास्तव में वैश्विक बाजारों में विनिमय योग्य है, तो आप घरेलू मौद्रिक नीति की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विनिमय तय नहीं कर सकते, क्योंकि ब्याज दर में बदलाव, जो घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए प्राथमिक नीति साधन है, पूंजी के प्रवाह के माध्यम से विनिमय दर को प्रभावित करेगा। एक ऐसे देश पर विचार करें जिसने आपकी मुद्रा पर भरोसा किया है और अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा (मान लीजिए, अपने ट्री खाते में अधिशेष) आपकी मुद्रा में डाल दिया है, और यह आपकी मौद्रिक नीति में बदलाव के कारण अन्य मुद्रा के मुकाबले मूल्यह्रास करता है। जो देश आपकी मुद्रा पर भरोसा करेगा और उसका उपयोग करेगा उसे उसके मूल्य में हानि का सामना करना पड़ेगा। तब यह आपकी मुद्रा से हट जायेगा और इससे आपकी विनिमय दर पर और दबाव पड़ेगा। इसी प्रकार ब्रिटिश पाउंडस्टर्लिंग ने ऐसी अवधि के दौरान अपनी प्रमुख आरक्षित मुद्रा का दर्जा खो दिया जब इसकी घरेलू अर्थव्यवस्था विभिन्न समस्याओं का सामना कर रही थी। निरूसंदेह, अन्य मजबूरियां भी थीं क्योंकि ब्रिटिश अर्थव्यवस्था का महत्व तेजी से घट रहा था। आखिरकार, मुद्रा अंततरू किसी देश की आर्थिक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करेगी। एक समय था जब मध्य पूर्व के व्यापक क्षेत्रों में भारतीय मुद्रा वस्तुतरू वैध मुद्रा थी। हालांकि, यह एक झटका था जब भारत ने 1966 में अपनी मुद्रा का अवमूल्यन कर दिया था और इसका मतलब मध्य पूर्व के देशों के लिए बड़े पैमाने पर धन की हानि थी। बहुत तेजी से, भारतीय रुपया इन देशों में चलन से बाहर हो गया।

गोर्बाच्योव युग के दौरान श्पेरेस्त्रोइकाश्के शीघ्र समाप्त होने तक भारत ने दशकों तक सोवियत संघ के साथ स्थानीय मुद्रा व्यापार व्यवस्था की थी। रूस ने तब खुद को पश्चिम के साथ फिर से ढालने की कोशिश की और भारतीय सामान और सेवाएं रूस की वांछित सूची में शामिल हो गईं। डिजाइनर ब्रांडों से लेकर दैनिक उपभोग की वस्तुओं तक सब कुछ पश्चिम से मांगा गया था। रूस के साथ भारतीय व्यापार पूरी तरह से एकतरफा हो गया। भारत ने भारी मात्रा में उच्च मूल्य की हथियार प्रणालियां खरीदना जारी रखा जबकि रूसियों ने भारतीय चाय की मांग करना भी बंद कर दिया। रूस ने बड़े पैमाने पर अधिशेष जमा किया। जब अधिशेष और घाटा बहुत बड़ा हो जाता है और व्यापार असंतुलित हो जाता है, तो अंतर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा में तय करना पड़ता है। भारत के विरुद्ध रूसी बकाया का मूल्यांकन किया गया और वर्षों में इसका निपटान किया जाना था।

उदाहरण के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ भारत के व्यापार को लें। उत्तरार्द्ध में व्यापार अधिशेष है। व्यापार रुपये–दिरहम में होने के बाद भी अंततः भारत को संयुक्त अरब अमीरात के साथ बकाया का निपटान करना होगा। तो क्या बाद वाला अपने केंद्रीय बैंक में भारतीय रुपये का ढेर स्वीकार करेगा? उम्मीद है कि भारत के विकास और इसके उत्पादों की विश्व स्तर पर बढ़ती मांग के साथ, भारतीय मुद्रा व्यापक रूप से स्वीकार्य हो जायेगी। तब एक भारतीय के लिए भारतीय मुद्रा से भरा पर्स लेकर दुनिया भर में घूमना और सारा हिसाब–किताब अपनी मुद्रा में निपटाना संभव होना चाहिए, जैसा कि अब अमेरिकी कर सकते हैं। लेकिन इससे पहले, भारत को अपनी आर्थिक ताकत और व्यापक व्यापार और पूरी तरह से परिवर्तनीय मुद्रा विकसित करके इसे अर्जित करना होगा।

पहली बाजी कांग्रेस के नाम

सर्वमित्रा सुरजन

2024 में चुनाव की घोषणा कब होती है, तब तक देश में राजनैतिक तौर पर कितनी तोड़–फोड़ हो चुकी होगी, और चुनावों का क्या नतीजा निकलेगा, इस बारे में कोई अनुमान अभी नहीं लगाया जा सकता। लेकिन अगर इसे राजनैतिक अखाड़े की कुश्ती के तौर पर देखा जाए, तो ऐसा लग रहा है कि फिलहाल इसमें पहला राउंड कांग्रेस ने जीत लिया है। कांग्रेस इंडिया का अहम हिस्सा है। यदि भारत को अपने संविधान में निहित शाश्वत मूल्यों को कायम रखना है तो आज सभी उदारवादी मध्यमार्गी शक्तियों को एकजुट होना पड़ेगा और इसकी ईमानदार पहल कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी को ही करना पड़ेगी। देशबन्धु के प्रधान संपादक रहे ललित सुरजन ने 19 दिसम्बर 2013, गुरुवार को प्रकाशित अपने आलेख सोनिया गांधी रू नई चुनौतियां में यह सलाह कांग्रेस को दी थी। देश में तब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। जिसके खिलाफ अन्ना आंदोलन के जरिए बड़े शातिर तरीके से माहौल बनाया गया था। यह नजर आ रहा था कि कांग्रेस को हटाकर देश की कमान ऐसे हाथों में देने की तैयारी है, जिससे संविधान पर खतरा आ सकता है। इसलिए कांग्रेस को आगाह किया गया था। नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, और वाइब्रेंट गुजरात जैसे आयोजनों के बूते कार्पोरेट शक्तियां उन्हें देश का प्रधानमंत्री बनाने की तैयारी कर चुकी थीं। लगातार दो बार सत्ता में आ चुकी कांग्रेस को आसानी से हटाया नहीं जा सकता था। सो पूरी पटकथा तैयार की गई।

भाजपा का जमीनी आधार उसके कार्यकर्ताओं और संघ के कारण मजबूत था, जबकि कांग्रेस के नेताओं पर सत्ता का अहंकार भरपूर चढ़ा हुआ था। सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी तो हमेशा से जनता के बीच जाकर खुश दिखाई देते रहे, लेकिन उस वक्त उनके इर्द–गिर्द नेताओं ने जो घेराबंदी कर रखी थी, उसने सामान्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उन तक पहुंचने से रोका और कांग्रेस की जमीनी हकीकत भी उन तक नहीं पहुंच पाई। भाजपा ने इस स्थिति का पूरा फायदा उठाते हुए कांग्रेस के खिलाफ ऐसा कथानक तैयार किया, मानो देश की हर समस्या के लिए केवल कांग्रेस और नेहरू–गांधी परिवार जिम्मेदार है। कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं ने इस नैरेटिव को तैयार करने में भाजपा की मदद भी की। इनमें से कई अब भाजपा में आ चुके हैं, कुछ दूसरे दलों में चले गए हैं, कुछ ने अपनी पार्टी का गठन भविष्य में मोलभाव की उम्मीदों के साथ कर लिया कि जिसका वजन अधिक होगा, वहां अपना समर्थन देने चले जाएंगे। मीडिया ने भी चौथा खंभा बनने के अपने उत्साह को दिखाते हुए यूपीए सरकार, डॉ.मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, सोनिया गांधी की आलोचना में कोई कमी नहीं छोड़ी। एकबारगी यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र में मीडिया की दमदार भूमिका जैसा लग सकता है। लेकिन गौर से देखें तो उस वक्त के मीडिया ने संघ और भाजपा के अपने मालिकों से वफादारी के लिए यह सब किया। यह कोई छिपी बात नहीं है कि दिल्ली के मीडिया में संघ और भाजपा के बड़े नेताओं ने किस तरह पत्रकारों को अपने लिए नियुक्त कर रखा था, जिन्होंने वक्त आने पर अपनी नियुक्ति के उद्देश्यों को पूरा किया। जो मीडिया उस वक्त महंगाई, बेरोजगारी या भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चीख–चीख कर डॉ. मनमोहन सिंह से चुप्पी तोड़ने कहता था, और लगभग अपमान करते हुए उनसे सवाल करता था, वही मीडिया अब नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछना तो दूर, ये तक पूछने की हिम्मत नहीं दिखा पाता कि आपने 9 सालों में एक बार भी मीडिया को खुले सवाल–जवाब के लिए क्यों नहीं बुलाया। ये किस तरह का लोकतंत्र है, जहां आपके मन की बात तो जनता को हर महीने बदस्तूर सुनाई जा रही है, लेकिन जनता के मन की बात सुनने के लिए आप वक्त नहीं निकाल रहे। 2013 के उस दौर में देश के तथाकथित उदार विचारकों, बुद्धिजीवियों ने भी कांग्रेस और नेहरू–गांधी परिवार की सत्ता को खूब कोसा। उनकी तथाकथित दूरदृष्टि यह देख नहीं पाई कि लाख बुराइयों के बावजूद यह कांग्रेस ही है, जिसमें संविधान के मूल्यों और इस देश की आत्मा माने जाने वाली धर्मनिरपेक्ष, बहुलतावादी संस्कृति को बचाए रखने की उम्मीदें देखी जा सकती हैं। या फिर अपनी महानता के भ्रम में कैद इन बुद्धिजीवियों ने सोच–समझ कर कांग्रेस के पराभव में अपना योगदान दिया, ताकि संविधान को बदलने का दावा जो राजनैतिक ताकतें कर रही थीं, उन्हें इसका एक मौका दिया जाए। राजनीति, कार्पोरेट, मीडिया, बौद्धिक तबका इन सबने अपने–अपने हिस्से की भूमिका निभाकर न केवल भाजपा को आगे बढ़ाने का काम किया, बल्कि उतनी ही शक्ति कांग्रेस को खत्म करने में लगा दी। श्री मोदी कांग्रेस मुक्त भारत का जो नारा लगाते थे, वो अनायास नहीं आया होगा, इसके पीछे सुविचारित रणनीति काम कर रही थी। सोनिया गांधी तब कांग्रेस की अध्यक्ष थीं और यूपीए का जिम्मा भी उन्हीं पर था। इसलिए ललितजी ने अपने आलेख में उनके सामने भावी चुनौतियों का जिक्र करते हुए उदारवादी मध्यमार्गी शक्तियों को एकजुट करने की सलाह 10 साल पहले दे दी थी। पमेंटल इनक्लूसिव एलांयस का गठन हो चुका है, तो मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, लेकिन इस विपक्षी मोर्चे के केंद्र में फिर से सोनिया गांधी ही नजर आईं। बेंगलुरु की बैठक में उनकी भूमिका अहम रही, खासकर ममता बनर्जी जैसे नेताओं को अपने साथ लाने में। पटना की बैठक में नीतीश कुमार नेतृत्व कर रहे थे और इस बात के लिए उनकी प्रशंसा करनी होगी कि उन्होंने देश भर के नेताओं और अलग–अलग दलों के लोगों से मिलकर विपक्षी एकजुटता की पहल की। इसमें कांग्रेस को लेकर कई दलों में संदेह भी नजर आया। लेकिन आखिरकार नीतीश जी की मेहनत रंग लाई और सब एक मंच पर इकठ्ठा हुए। पटना से बेंगलुरु पहुंचने तक देश की राजनैतिक तस्वीर में भी कई फेरबदल हो गए हैं। मगर इससे विपक्षी मोर्चे की एकजुटता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, यह खुशी की बात है। अब इंडिया की अगली बैठक मुंबई में होगी, जिसमें चुनावों के मद्देनजर और बहुत सी बातें तय होंगी।

2024 में चुनाव की घोषणा कब होती है, तब तक देश में राजनैतिक तौर पर कितनी तोड़–फोड़ हो चुकी होगी, और चुनावों का क्या नतीजा निकलेगा, इस बारे में कोई अनुमान अभी नहीं लगाया जा सकता। लेकिन अगर इसे राजनैतिक अखाड़े की कुश्ती के तौर पर देखा जाए, तो ऐसा लग रहा है कि फिलहाल इसमें पहला राउंड कांग्रेस ने जीत लिया है। कांग्रेस इंडिया का अहम हिस्सा है। लालूजी के विचारों को उधार लेकर कहें तो विपक्षी दलों की बारात में दूल्हा कांग्रेस का ही है। और यह मानने में कोई गलती नहीं है कि भाजपा और श्री मोदी खुद इस राजनैतिक लड़ाई को समूचे विपक्ष की जगह केवल कांग्रेस और राहुल गांधी से लड़ाई के तौर पर ही देखेंगे। भाजपा ने अपनी सत्ता की शुरुआत में मोदी के मुकाबले कौन वाला माहौल बनाया और जब राहुल गांधी उसे खतरे की तरह नजर आए तो मोदी बनाम राहुल हर चुनाव को बनाती रही। जैसे–जैसे भाजपा की जीत होती रही, राहुल गांधी को नाकारा साबित करने का उसका अभियान भी सफल होता गया। इस तरह मोदी बनाम राहुल के चुनावी माहौल में मोदी का पक्ष भारी रहा। लेकिन राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही भाजपा के इस नैरेटिव को गलत करना साबित कर दिया। वे मैं की जगह हम पर जोर देते रहे, किसी से मुक्त होने की नहीं, सबको जोड़ने की बात करते रहे। डरो मत और मोहब्बत की दुकान राजनैतिक क्षितिज पर नए नारों के तौर पर उभरे और अब इंडिया नामकरण ने भाजपा की इतने बरसों की कोशिश को एक झटके में विफल कर दिया है। मोदीजी शब्दों के संक्षिप्तीकरण के उस्ताद रहे हैं, लेकिन इस बार विपक्ष ने उन पर बढ़त बना ली है। इंडिया शब्द में समावेशी विकास की बात है, जो भारत जैसे देश की प्रगति का आधार है। इंडिया के जरिए विपक्ष ने भाजपा के राष्ट्रवाद का भी करारा जवाब दिया है।

समान संहिता पर अनुचित आपत्तियां

जबसे समान नागरिक संहिता लागू करने की बात छिड़ी है, तबसे आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड और दूसरे कई मुस्लिम संगठनों के साथ अनेक दल इस संहिता का विरोध करने में जुटे हैं। मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने समान नागरिक संहिता को इस्लाम के शरिया कानून के विरुद्ध गैर–इस्लामी बताया है। उसके अनुसार किसी मुसलमान की ओर से इस संहिता को नहीं अपनाया जा सकता। चूंकि मैं स्वयं इस्लाम का अनुयायी एवं शोधार्थी हूं, इसलिए मेरा कर्तव्य है कि मैं मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड की इस अनुचित आपत्ति की असलियत सभी नागरिकों और विशेष रूप से मुस्लिम भाई–बहनों के सामने रखूं, ताकि वे इस्लाम की सही शिक्षाओं को समझते हुए मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड जैसी स्वयंभू संस्थाओं के मनचाहे इस्लाम से पीछा छुड़ाएं और कुरान तथा पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं में दिए गए निर्देशों के अनुरूप भारतीय संविधान का पालन करें। समान नागरिक संहिता का राष्ट्र के सभी नागरिकों के लिए समान होना अनिवार्य है। भारत में सभी नागरिकों के लिए समान संहिता बनाने का निर्देश संविधान के अनुच्छेद 44 में है। जब इस्लाम का उदय हुआ, तब पैगंबर मोहम्मद साहब ने प्राथमिक रूप से लोगों में एक ईश्वर के प्रति आस्था और शिष्टाचार लाने के उपरांत वहां की परिस्थितियों के अनुरूप एक इस्लामी राज्य की स्थापना की। इसका उद्देश्य सभी मुस्लिमों और दूसरे नागरिकों को व्यवस्थित तथा सुरक्षित रखना था। कुरान की शिक्षाओं से यह स्पष्ट होता है कि इस्लामी राज्य ईश्वर की इच्छानुसार लोगों को व्यवस्थित करने का एक मार्ग है, लेकिन यह मार्ग केवल तभी संभव है, जब ईश्वर का दूत यानी पैगंबर स्वयं धरती पर हो (कुरान 4213, 0933)। यदि ईश्वर का दूत धरती पर नहीं है तो मुस्लिमों को इस्लामी राज्य के अधीन होना अनिवार्य नहीं है। कुरान के साथ मोहम्मद साहब की शिक्षाओं, जिन्हें हम हदीस कहते हैं, को पढ़ने से भी यह स्पष्ट हो जाता है कि मुस्लिम होने के लिए किसी व्यक्ति को अल्लाह में विश्वास, पांच बार की नमाज अदा करना, रमजान के महीने में रोजा रखना, साल में एक बार जकात देना और यदि संभव हो तो हज करना आवश्यक है। जब कोई मुस्लिम किसी इस्लामी राज्य में न हो तो फिर वहां की नागरिक एवं दंड संहिता का इस्लामी होना आवश्यक नहीं होता। कुरान में स्पष्टता से कहा गया है कि ईश्वर में आस्था रखना और अच्छे कर्म करना किसी भी व्यक्ति की सफलता के लिए आवश्यक है। यही बात हदीसों में भी बार–बार साफ तौर पर कही गई है। इसी सबकी पुष्टि भारतीय मुसलमान निरंतर करते चले आ रहे हैं, क्योंकि आपराधिक मामलों में वे भारतीय दंड संहिता को बिना किसी आपत्ति के अपनाए हुए हैं।

ऑनलाइन गेम में हार गया सात लाख रुपये तो मुंबई क्राइम ब्रांच को किया फोन, बोला- मैं खुदकुशी कर लूंगा

जौनपुर (संवाददाता)। ऑनलाइन गेम की लत में करीब सात लाख रुपये हारने से हताश युवक ने खुदकुशी की योजना बना ली। इसी बीच उसने मदद के लिए क्राइम ब्रांच मुंबई को फोन लगाकर मदद मांगी। इसकी जानकारी जब स्थानीय पुलिस को हुई तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। ऑनलाइन गेम की लत में युवा वर्ग आर्थिक हालत के साथ–साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य को भी बिगाड़ रहे हैं। इसकी लत युवाओं में इस कदर घर कर गई है कि वह कुछ भी कर गुजरने को तैयार हैं। जल्दी अमीर बनने की चाह में सबकुछ बर्बाद होने के बाद ही इन्हें अक्ल आ रही है। ऐसा ही एक मामला यूपी के जौनपुर जिले में सामने आया है।

ऑनलाइन गेम की लत में करीब सात लाख रुपये हारने से हताश युवक ने खुदकुशी की योजना बना ली। इसी बीच उसने मदद के लिए क्राइम ब्रांच मुंबई को फोन लगाकर मदद मांगी। इसकी जानकारी जब स्थानीय पुलिस को हुई तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया और परिवार के लोगों को सौंप दिया। बुधवार रात में मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मुंगरडीह गांव निवासी 23 वर्षीय युवक ऑनलाइन गेम्स में सात लाख रुपये गंवाने के बाद अपनी जान देने की योजना बनाई। उसने रात में मुंबई क्राईम ब्रांच के ऑफिस में फोन किया। कहा कि मेरी आर्थिक मदद कीजिए नहीं तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। मुंबई क्राईम ब्रांच के अधिकारियों ने उसे काफी देर तक अपनी बातों में उलझाए रखा और तत्काल जौनपुर एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा को इस बाबत सूचित किया।

एसपी ने थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी को घटना की जानकारी दी और युवक का नंबर सर्विलांस में लगाकर उसकी लोकेशन बताई। आननफानन थानाध्यक्ष फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और फंदे से लटकने की जुगत लगा रहे युवक को धर दबोचा। परिजनों को मामले से अवगत कराया और युवक को थाने लाया गया।

थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि युवक ऑनलाइन गेम्स में सात लाख रुपये हार गया था। इस वजह से वह डिप्रेशन में था। युवक आत्महत्या जैसे आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश में था। पुलिस की तत्परता से वह ऐसा नहीं कर सका। परिजनों के कहने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही नहीं की गई। थाने पहुंचे परिजन युवक को घर ले गए। युवक पहले मुंबई में रहता था इसलिए वहां के क्राइम ब्रांच का नंबर उसके पास था।

स्मार्ट क्लास में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करेंगे बच्चे : बीएसए

मधुबन (संवाददाता)। फतेहपुर मंडाव ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कुशहा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण, पुस्तकालय का उद्घाटन और स्मार्ट क्लास का उद्घाटन बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय ने किया। बता दें कि 11 लाख 20 हजार की लागत से नए भवन का निर्माण हुआ है। इस दौरान बीएसए ने नए स्मार्ट क्लास में लगे प्रोजेक्टर पर बच्चों और शिक्षकों के साथ मुख्यमंत्री के डीबीटी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। बाद में विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थित चार बच्चों के अभिभावकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया।

न्यूज सार

दीवार से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो चचेरे भाइयों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

वाराणसी (संवाददाता)। वाराणसी में गंगापुर–मोहनसराय मार्ग पर कनेरी गांव के पास बीती रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक मकान के दीवार से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार तीन किशोर घायल हो गए। अस्पताल में दो किशोरों को मृत घोषित कर दिया गया। दोनों चचेरे भाई थे। निमंत्रण से लौटते समय तेज रफ्तार बाइक दीवार से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दो किशोरों की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि किशोरों के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों किशोर चचेरे भाई थे। हादसा बीती रात वाराणसी में गंगापुर–मोहनसराय मार्ग पर कनेरी गांव के पास हुआ। चितईपुर निवासी विनय (14) पुत्र विजय और बसंत (16) पुत्र राजेश राम अपने मित्र आलोक उर्फ धीरू (17) के साथ बुधवार शाम बाइक से हरहुआ कोईराजपुर स्थित मामा घार गए थे।

स्कूल परिसर में बाइक मिस्त्री ने फंदा लगाकर दी जान, दो माह पहले की थी बेटे की शादी

वाराणसी (संवाददाता)। वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र के मुनारी गांव स्थित कम्पोजिट विद्यालय के सामने पेड़ पर फंदा लगाकर बाइक मिस्त्री राजाराम यादव (55) ने खुदकुशी कर ली। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने फंदे से लटके शव को देखा तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया जा रहा है कि घरेलू कलह से तंग आकर राजाराम यादव ने आत्मघाती कदम उठाया। उसने दो माह पहले ही अपने एक बेटे की शादी की थी। मुनारी(बकैनी)गांव निवासी राजाराम यादव मुनारी बाजार में अंगद साव के कटरे में बाइक बनाने का काम करता था। बुधवार देर रात वह घर से निकला। अपनी दुकान से 100 मीटर की दूरी पर कम्पोजिट विद्यालय के पास पाकड़ के पेड़ पर गमछे से फंदा बनाकर झूल गया। सुबह जब आसपास के लोगों ने राजाराम यादव को पेड़ पर लटका देखा तो उसके पुत्र योगेंद्र को सूचना दी। राजाराम के दो पुत्र और एक पुत्री है।

स्कूल परिसर में बाइक मिस्त्री ने फंदा लगाकर दी जान, दो माह पहले की थी बेटे की शादी

वाराणसी (संवाददाता)। वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र के मुनारी गांव स्थित कम्पोजिट विद्यालय के सामने पेड़ पर फंदा लगाकर बाइक मिस्त्री राजाराम यादव (55) ने खुदकुशी कर ली। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने फंदे से लटके शव को देखा तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया जा रहा है कि घरेलू कलह से तंग आकर राजाराम यादव ने आत्मघाती कदम उठाया। उसने दो माह पहले ही अपने एक बेटे की शादी की थी। मुनारी(बकैनी)गांव निवासी राजाराम यादव मुनारी बाजार में अंगद साव के कटरे में बाइक बनाने का काम करता था। बुधवार देर रात वह घर से निकला। अपनी दुकान से 100 मीटर की दूरी पर कम्पोजिट विद्यालय के पास पाकड़ के पेड़ पर गमछे से फंदा बनाकर झूल गया। सुबह जब आसपास के लोगों ने राजाराम यादव को पेड़ पर लटका देखा तो उसके पुत्र योगेंद्र को सूचना दी। राजाराम के दो पुत्र और एक पुत्री है। एक पुत्र और पुत्री की शादी हो चुकी है। पुत्र की 12 मई को शादी हुई थी। पत्नी फुलदेई का रो–रोकर बुरा हाल है।

मुहर्रम का चांद दिखा, मजलिस-ओ-मातम का दौर शुरू

बहरियाबाद (संवाददाता)। माहे मुहर्रम का चांद बुधवार को दिखाई देने के साथ ही अकीदतमंदों विशेष रूप से शिया समुदाय के लोगों ने गम का प्रतीक स्याह लिबास धारण कर लिया। इसके साथ ही मजलिस–ओ–मातम का दौर प्रारंभ हो गया। या अली या हुसैन या अब्बास की सदाएं बुलंद होने लगीं। हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के नवासे शोहदाए कर्बला हजरत इमाम हुसैन और उनके जानिसार साथी जिन्होंने इस्लाम के लिए शहादत तो कुबूल की लेकिन यजीदी फौज के आगे घुटने न टेके। मुहर्रम के महीने में यौमे आशूरह यानी दस मुहर्रम को मैदाने कर्बला में यजीदी लश्कर के हाथों इमाम आली मकाम शहीद कर दिए गए। इनसे पहले इनके कई अजीज शहीद किए जा चुके थे। सात मुहर्रम से ही इन पर पानी बंद कर दिया गया था। नहरे–फोरात पर पहरे लगा दिए गए थे। तीन दिन भूखे प्यासे रहते हुए इमाम शहीद हो गए लेकिन यजीद की बैयत कुबूल न की।

किसानों को मोटे अनाज का बीज बांटे

रेवतीपुर (संवाददाता)। ब्लाक मुख्यालय परिसर में बुधवार को कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत कृषि निवेश मेला एवं खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया। परिसर में बीज और कीटनाशक आदि के स्टाल भी लगाए गए थे। इस दौरान जिला उप कृषि निदेशक ने 15 किसानों को रागी, सावां, बाजरा और ज्वार बीज के मिनी कीट वितरित किया। मुख्य अतिथि विजयशंकर राय ने कहा कि सरकार किसानों को स्वावलंबी बनाने और आय दोगुना करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, जिससे किसान आर्थिक रूप से समृद्धशाली बन सके। उन्होंने कहा कि जब तक देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं बन सकता है।

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को बेकाबू बाइक ने मारी टक्कर, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

मऊ (संवाददाता)। मऊ जिले के फतेहपुर मंडाव बाजार में गुरुवार सुबह बेकाबू बाइक ने वृद्ध को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बाइक चालक और वृद्ध घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां वृद्ध को मृत घोषित कर दिया गया। मऊ जिले के फतेहपुर मंडाव बाजार में गुरुवार सुबह बेकाबू बाइक ने वृद्ध को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बाइक चालक और वृद्ध घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां वृद्ध को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। रामपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर मंडाव निवासी वकील अहमद (70) रोजाना की तरह गुरुवार सुबह भी टहलने के लिए निकले।

सड़क हादसे में गई युवक की जान

वाराणसी (संवाददाता)। भोजन बनाकर घर पर इंतजार कर रही विवाहिता को क्या पता था कि काल के क्रूर पंजे ने सदा के लिए उनका सुहाग छीन लिया। वह बिलख रही थी और परिजन उसे संभालने में जुटे थे। युवक की मौत की खबर सुनकर परिजन के अलावा ग्रामीण भी गमगीन है। परिजनों को भरोसा नहीं हो रहा कि जिसने मोबाइल पर आधे घंटे में घर आने की बात कही थी वो हमेशा–हमेशा के लिए उनसे दूर हो गया।

वाराणसी के रामेश्वर–हरहुआ पंचकोशी मार्ग पर भटौली गांव के समीप बुधवार देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हीरमपुर थाना जंसा निवासी जितेंद्र विश्वकर्मा (27) की मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जितेंद्र शहर स्थित एक निजी कंपनी में बढ़ई का काम करता था। रोज की तरह बुधवार रात भी अपना काम निपटाकर रात में बाइक से घर लौट रहा था। उसने मोबाइल पर परिजनों को कहा था कि आधे घंटे में घर पहुंच जाएगा। उसकी पत्नी भोजन बनाकर इंतजार कर रही थी। इधर, पंचकोशी मार्ग पर भटौली के पास अज्ञात वाहन ने जितेंद्र बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और जितेंद्र के सिर, गर्दन और पैर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दी तो परिजनों में कोहराम मच गया। तीन बहनों में जितेंद्र इकलौता भाई था। उसकी कुछ साल पहले शादी हुई थी और उसका 6 महीने का एक बेटा भी है।

पति को डर कहीं पत्नी भाग न जाए, इसलिए पढ़ाई रोकी, थाने पहुंची महिलाय पुलिस ने समझाकर वापस भेजा

सोनभद्र (संवाददाता)। महिला अफसर और उसके पति का विवाद अब दूसरों के जीवन को भी प्रभावित करने लगा है। सोनभद्र के महिला थाने में को ऐसा ही एक मामला पहुंचा। पति ने पत्नी को यह कहकर पढ़ने और परीक्षा देने से रोक दिया कि पढ़–लिखकर, वह कहीं छोड़कर न चली जाए। हालांकि महिला थाने पर पहंचे मामले को पुलिस ने शांत कराया। दंपती के बीच का विवाद सुलझ गया।

बिहार निवासी एक युवती की शादी सात साल पूर्व सदर तहसील क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से हुई थी। शादी के बाद दो बच्चे भी हुए। विवाहिता एक कॉलेज में बीएससी की छात्रा है। महिला अफसर का प्रकरण सामने आने के बाद पति ने यह कहते हुए विवाहिता को स्कूल जाने और पेपर देने से मना कर दिया कि कहीं वह भी उसे छोड़ न दे। ऐसे में कुछ दिनों से दोनों अलग रह रहे हैं। मामला महिला थाने में पहुंच गया।

पीड़िता ने पति पर पेपर देने से रोकने की शिकायत की। महिला थानाध्यक्ष सरोजमा सिंह ने दोनों परिवार के सदस्यों को बुलाकर काउंसिलिंग की। उनके काफी समझाने के बाद युवक अपनी पत्नी को आगे पढ़ाने के लिए तैयार हो गया। लेकिन शर्त रखी कि बिना इजाजत के पत्नी कहीं नहीं जाएगी। काफी प्रयास के बाद दोनों साथ रहने को तैयार हो गए। सुलह के बाद दंपती एक साथ घर चले गए। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि महिला अधिकारी और सफाईकर्मी पति के बीच के विवाद को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों से दिक्कतें हो रही हैं। हर जगह एक जैसी स्थिति नहीं होती। दंपती को समझा–बुझाकर घर भेज दिया गया है।

अगले महीने दौड़ने लगेंगी रोडवेज की 15 सिटी बसें

पीडीडीयू नगर (संवाददाता)। जिले में दस साल के अंतराल के बाद अगस्त माह से परिवहन निगम की 15 सिटी बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। फिलहाल अस्थाई बस स्टैंड बनाकर बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। चार दिनों से सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और दूसरे अधिकारी जमीन खोज रहे हैं। उनका कहना है कि अगस्त माह से बसों का संचालन शुरू कर देना है। जिले में परिवहन निगम की बसों की सुविधा नहीं है। बस स्टेशन के अभाव में चंदौली बस डिपो का संचालन वाराणसी से होता है। इससे पिछले दस वर्षों से चंदौली के लोगों को परिवहन निगम की सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। पिछले छह महीने से परिवहन निगम जिले में बसों के संचालन के प्रति सक्रिय दिखाई दे रहा है। नौगढ़, चकिया, कंदवा, जमानिया के लिए बसों का संचालन वाराणसी से हो रहा है। बस स्टैंड के लिए डीएम निखिल टीकाराम फुंडे के नेतृत्व में अधिकारियों ने सैयदराजा थाना क्षेत्र के नौबतपुर में जमीन देखी थी लेकिन उसमें अभी अड़चनें आ रही हैं। इसको देखते हुए डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने परिवहन निगम को किराये पर जमीन लेकर बस स्टैंड के संचालन का निर्देश दिया है। इसके बाद पिछले चार दिनों से एआरएम सैयदराजा, नौबतपुर के आसपास जमीन तलाश रहे हैं। सैयदराजा नगर पंचायत के ईओ ने भी जमीन देने की पहल की है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अगस्त से हर हाल में बस स्टैंड का संचालन शुरू हो जाएगा। डीएम के निर्देश के बाद पिछले चार दिन से सैयदराजा क्षेत्र में अस्थायी बस स्टैंड के लिए जमीन की तलाश की जा रही है।

कोरोना काल में काशी के प्रबंधन को इराक की सरकार ने सराहा, आईआईएम इंदौर में हुआ समारोह

वाराणसी (संवाददाता)। कोरोना की विभिषिका में नजीर बने काशी मॉडल का प्रस्तुतीकरण बुधवार को मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने इराक के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष आईआईएम इंदौर में आयोजित समारोह में किया। उन्होंने कोरोना की लड़ाई में काशीवासियों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल से कुशल प्रबंधन के अनुभव भी साझा किए। कोरोना की विभिषिका में नजीर बने काशी मॉडल का प्रस्तुतीकरण बुधवार को मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने इराक के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष आईआईएम इंदौर में आयोजित समारोह में किया। उन्होंने कोरोना की लड़ाई में काशीवासियों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल से कुशल प्रबंधन के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बतौर सांसद के प्रयासों की भी विस्तार से जानकारी दी।

भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर की ओर से इराक विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की 10 दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने संकट प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि सुनियोजित योजना के तहत रोजाना अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाई गई। निजी अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए और दवाओं की कालाबाजारी रोकने के लिए मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। छोटे–छोटे कंटेनमेंट जोन बनाए गए। निगरानी समितियां के जरिये जांच, उपचार की व्यवस्था बनी और हर समिति के सदस्यों को पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर और दवाओं की किट दी गई। ट्रेसिंग में कोई संदिग्ध मिला तो दवा शुरू करने के साथ ही उसका आरटीपीसीआर टेस्ट कराया गया। मंडलायुक्त ने प्रस्तुतीकरण में बताया कि स्मार्ट सिटी कंपनी के सिटी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के तौर पर विकसित किया गया। कंटेनमेंट जोन की घेराबंदी समेत सभी कामों के लिए संबंधित विभागों की डेस्क बनाई गई। होम आइसोलेशन में रहने वालों के लिए और टेली मेडिसिन के लिए भी कमांड सेंटर में अलग डेस्क बनाई गई। सभी विभागों की टीम के काम की रोजाना समीक्षा के साथ जवाबदेही तय की गई। इसके साथ ही कोरोना टीका करण का ग्राफ भी तेजी से बढ़ाया गया। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने इराक के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष वीडियो के जरिये भी हर प्रयासों की जानकारी दी।

वाराणसी में जेठ को मात दे रही सावन की तीखी धूप

वाराणसी (संवाददाता)। वाराणसी समेत आसपास के जिलों में सुबह से ही तेज धूप से लोग परेशान हैं। पिछले कई दिनों से अच्छी बारिश नहीं होने के कारण किसानों के चेहरे पीले पड़ गए हैं। उन्हें खेती की चिंता सताने लगी है। गुरुवार को और दिनों की तुलना में धूप ज्यादा तीखी है। मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है। सुहाना कहा जाने वाला सावन इस बार जेठ की गर्मी को भी मात दे रहा है। भीषण गर्मी से हर कोई परेशान है। आधा जुलाई माह गुजरने के बाद भी मानसून का ट्रैक कमजोर बना हुआ है। इसका असर यह है कि लोग गर्मी और उमस से बेहाल हैं। सुबह से ही तेज धूप से लोग परेशान हैं। घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। पारा 36 डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले कई दिनों से अच्छी बारिश नहीं होने के कारण किसानों के चेहरे पीले पड़ गए हैं। उन्हें खेती की चिंता सताने लगी है।गुरुवार को और दिनों की तुलना में धूप ज्यादा तीखी है। मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है। अधिकतम तापमान एक बार फिर बढ़कर 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचकर 36.5 रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान भी 28 डिग्री सेल्सियस हो गया है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो.मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल इस सप्ताह बारिश के आसार नहीं है और मौसम ऐसे ही रहने के आसार हैं। 22 जुलाई के बाद फिर से अच्छी बारिश की संभावना बन रही है। पहाड़ों पर बर्फबारी से गंगा का जलस्तर बेतहाशा बढ़ा और बुधवार को 84 घाटों का आपसी संपर्क टूट गया। सीढिघ्यां पानी में डूब गई हैं। अब गंगा की तरफ से सीढिघ्यों के सहारे एक दूसरे घाट तक नहीं जाया जा सकेगा। सड़क मार्ग से घाटों तक जाने का विकल्प खुला रहेगा। दूसरी तरफ, दशाश्वेमेध घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती का स्थल भी डूब गया है। अब निर्धारित स्थल से आरती दस फीट दूर होने लगी है। वहीं, कानपुर के गंगा बैराज से बुधवार को रात आठ बजे तक 2. 48 लाख 880 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यह पानी दो से तीन दिन में वाराणसी पहुंचेगा। इससे जलस्तर में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। बुधवार की रात 9 बजे तक जलस्तर 63.13 मीटर रिकॉर्ड किया गया था। इसी वजह से घाटों का आपसी संपर्क भी टूटा है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल भी डूब गए हैं। इससे शवों के अंतिम संस्कार में दिक्कत आ रही है। जलस्तर बढ़ने का सिलसिला ऐसे ही चलता रहा तो जल्द ही नावों का संचालन भी रोकना पड़ सकता है।

बिजली की कटौती ने बुधवार को लोगों की परेशानी बढ़ा दी। शहर के कई इलाकों में दिन भर बिजली की आवाजाही जारी रही।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉन्सिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

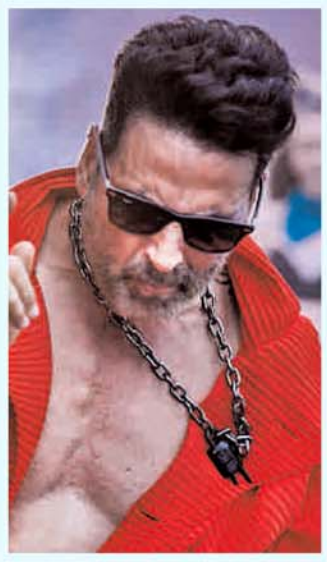

वेलकम 3 में अरशद के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार, संजय दत्त

2007 में रिलीज हुई अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर स्टारर फिल्म वेलकम बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। साल 2015 में वेलकम का सीक्वल रिलीज हुआ वेलकम बैक, जिसमें अक्षय कुमार की जगह एक्टर जॉन अब्राहम लीड रोल में नजर आए थे और अब फिल्म के तीसरे भाग को लेकर चर्चाओं का बाजार गरम है। बताया जा रहा है कि फिरोज नाडियाडवाला ने अपनी इस फ्रेंचाइजी के 3रे भाग पर काम करना शुरू कर दिया है। हाल ही प्रदर्शित हुई वेब सीरीज असुर-2 से चर्चाओं में आए अभिनेता अरशद वारसी ने अपने हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में बताया कि इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार और संजय दत्त भी लीड रोल निभाते नजर आएंगे। वेलकम 3 की स्केल, उसकी कोस्ट, उसका क्लाइमेक्स सब कुछ अनरियल सा लगता है। यह लाइफ से कहीं अधिक बड़ी थिएटेरिकल फिल्म है, जिसका मैं हिस्सा बनने वाला हूं। इस फिल्म में मैं, अक्षय कुमार, संजय दत्त, परेश रावल और भी बहुत सारे लोग होंगे। अरशद वारसी ने आगे कहा, सिनेमा का अब पूरा परिदृश्य बदल गया है। अब थिएटरों में रिलीज होने वाली सभी फिल्में सुपरहीरो फिल्में हैं। वह बहुत बड़ी और लारजर देन लाइफ होती हैं और यह विचित्र है। मैं खुद को उसी तरह देख रहा हूं। इन बड़ी फिल्मों में छोटा-मोटा काम करना मुझे पसंद नहीं है। मेरे लिए नौकरी में संतुष्ट होना सबसे महत्वपूर्ण है। ये ऐसी फिल्में हैं जो मुझे ढेर सारा पैसा देंगी। मुझे जो प्रस्ताव मिले हैं, वह मुझे कुछ खास पसंद नहीं आए। और अब जो मैं कर रहा हूं वह वेलकम-3 है। अरशद वारसी इन दिनों अपनी वेबसीरीज असुर 2 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अरशद वारसी, अनुप्रिया गोयनका, रिद्धि डोगरा और वरुण सोबती स्टारर यह फिल्म 1 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। इस सीरीज में अरशद वारसी एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आई है और इसमें अरशद वारसी के किरदार की काफी सराहना भी हुई है।

दो दशकों के बाद एक फिल्म में फिर साथ आएंगे शरमन व साहिल

एक्टर शरमन जोशी और साहिल खान अपनी फिल्मों स्टाइल और एक्सक्यूज मी के दो दशक बाद एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं। उनका नया प्रोजेक्ट शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अबू धाबी में बड़े पैमाने पर शूट की जाने वाली इस फिल्म में चार ट्रैक होंगे जो चार्टबस्टर लिस्ट में टॉप पर पहुंचने और सभी रिकॉर्ड तोड़ने में आगे रहेंगे। शरमन ने कहा, फिल्म पूरी तरह से तैयार है, मैं बिल्कुल उत्साहित हूं। साहिल और मैंने पहले जो फिल्में कीं, उनमें स्क्रीन पर हमारे बीच की केमिस्ट्री को काफी सराहना मिली। यह हमारी पहली व्यावसायिक हिट थी जिसे राजू हिरानी सर ने भी देखा था, जिन्होंने फिर मुझे 3 इडियट्स के लिए साइन किया। साहिल ने साझा किया, लेखक और निर्देशक सैम खान और मैं एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और उनके निर्देशन में काम करने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। साथ ही, यह फिल्म मुझे और शरमन को एक बार फिर साथ लाती है। वह एक शानदार अभिनेता और साथ काम करने के लिए एक अद्भुत इंसान हैं। डायलॉग्स और कहानी लिखने वाले लेखक मिलाप जावेरी ने कहा, फिल्म पूरी तरह से मनोरंजक होगी। इसमें दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने वाली सभी बातें हैं। निर्माता हितेश खुशालानी ने कहा, शरमन और साहिल को एक फिल्म के लिए एक साथ वापस लाना हमारा उस सौहार्द को फिर से बनाने का प्रयास है जो उन्होंने एक बार स्क्रीन पर साझा किया था। शरमन की कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है और साहिल का सेंस ऑफ ह्यूमर नेचुरल है। ये दोनों दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर देंगे। अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म में सैम खान का निर्देशन और कहानी, मिलाप जावेरी की पटकथा और डायलॉग्स हैं। इसे व्हाइट लायन मोशन पिक्चर प्रोडक्शन, निर्माता हितेश खुशालानी द्वारा निर्मित किया गया है। भुवी खुशालानी, जफर मेहदी और ईशान दत्ता सह-निर्माता हैं।

आशिकी-3 में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन ?

कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई करने में कामयाब रही है। अब फैंस को बेसब्री से उनके अगले अनाउंसमेंट का इंतजार है और इसी बीच कार्तिक की यह पोस्ट चर्चा में है। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा छूने में कामयाब रही है। अब दर्शकों को इंतजार है उनके अगले अनाउंसमेंट का, और इसी बीच कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट कर दी है जिसके बाद उनके फैंस के बीच हलचल मच गई है। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- अपनी अगली रोमांटिक फिल्म की राह देख रहा हूं। कोई है?

कार्तिक आर्यन को फैंस ने दिया बड़ा हिंट?

फोटो में कार्तिक आर्यन ब्लैक शर्ट पहनकर इंटेन्स लुक देते नजर आ रहे हैं। कार्तिक आर्यन की इस पोस्ट के बाद ज्यादातर फैंस यह कयास लगाते नजर आए कि च्च सुपरहिट फिल्म आशिकी के पार्ट-3 में नजर आने वाले हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- आशिकी 3 प्लीज कार्तिक। दूसरे यूजर ने कमेंट किया- आशिकी 3 है ना। एक यूजर ने लिखा- कार्तिक आर्यन की तरह इस काम को कोई नहीं कर सकता।

अलग जॉनर की फिल्में आजमा रहे कार्तिक

बता दें कि कार्तिक आर्यन ने लंबे वक्त तक रॉमकॉम मूवीज करने के बाद अब अलग तरह के जॉनर भी ट्राय करना शुरू किया है। उदाहरण के लिए वह भूल भुलैया जैसी हॉरर कॉमेडी फिल्म और शहजादा जैसी फैमिली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में भी काम करते नजर आ चुके हैं। वहीं हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म सत्यप्रेम की कथा भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करने में कामयाब रही है। फिल्म ने हाल ही में 100 करोड़ क्लब में भी अपनी जगह बनाई है।

सलमान खान ने फर्जी कास्टिंग कॉल करने वालों को दी चेतावनी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि न तो वह और न ही उनका प्रोडक्शन बैनर सलमान खान फिल्म्स फिल्मों में कास्टिंग के लिए किसी तीसरे पक्ष से जुड़े हैं। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पर चेतावनी देते हुए कहा कि धोखाधड़ी के उद्देश्यों के लिए उनकी कंपनी के नाम का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुपरस्टार ने इस चेतावनी को आधिकारिक सूचना का कैप्शन दिया। इस पोस्ट के नोटिस में लिखा गया कि यह स्पष्ट करना है कि न तो सलमान खान और न ही सलमान खान फिल्म्स वर्तमान में किसी भी फिल्म के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। हमने अपनी किसी भी फिल्म के लिए किसी कास्टिंग एजेंट को काम पर नहीं रखा है। सलमान ने आगे कहा कि इस उद्देश्य के लिए किसी भी ईमेल या संदेश पर भरोसा न करें। यदि कोई भी खान या एसकेएफ के नाम का गलत इस्तेमाल करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अर्चना गौतम ले रही इंग्लिश की ट्यूशन

बिग बॉस 16 से घर-घर में मशहूर हुईं अर्चना गौतम ने कहा है कि वह फिलहाल खुद पर ध्यान दे रही हैं, इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं, किताबें पढ़ रही हैं और नया लुक अपना रही हैं। अर्चना गौतम बिग बॉस 16 की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक बनकर उभरीं और अब उनके फैंस खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में उन्हें खतरनाक स्टंट करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के पहले एपिसोड की स्पेशल स्क्रीनिंग में सभी कंटेस्टेंट एक साथ नजर आए। अर्चना ने अपने अनुभव और भी बहुत कुछ के बारे में बताया। अर्चना, जो इन दिनों बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी चीज में कदम रखता है, तो उसे हमेशा बढ़ना चाहिए। इसलिए वर्तमान में, मैं बढ़ रही हूं। मैं इंग्लिश ट्यूशन ले रही हूं, किताबें पढ़ रही हूं, खुद को क्लासी दिखाने के लिए नया लुक अपना रही हूं। मैं अब एक बेहतर एक्ट्रेस बनना चाहती हूं। उन्होंने कहा, चूंकि शो की शूटिंग केपटाउन में है, विदेशी क्रू केवल इंग्लिश में बातचीत कर रहा है, जिससे मुझे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं तो अंग्रेजी जरूरी है। शूटिंग के दौरान बनाए गए दोस्तों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐश्वर्या और नायरा के सबसे करीब हो गई। लोग हमें त्रिमूर्ति कहते थे। शो में मैंने कई अच्छे दोस्त बनाए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह शो की फाइनलिस्ट में से हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए सभी को एपिसोड देखना होगा। लेकिन हां, मैं कहूंगी कि मेरे फैन बिल्कुल भी निराश नहीं होंगे। मैंने अपने सभी स्टंट बहुत अच्छे से किए हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

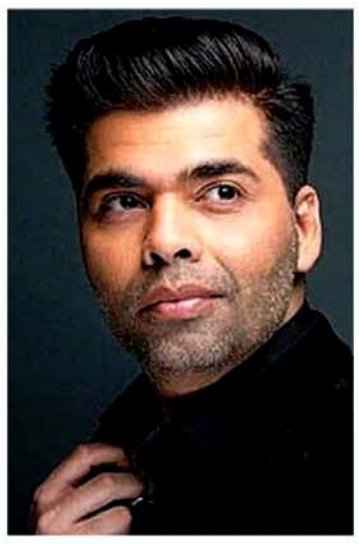

मेरी क्रिसमस और योद्धा की रिलीज डेट के टकराव पर भड़के करण

फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं और स्टूडियो की आलोचना की है। करण जौहर ने कहा, बिना किसी फोन कॉल के फिल्म की रिलीज डेट तय कर दी गई। करण जौहर का यह बयान कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज की तारीख की घोषणा के बाद आया। मेरी क्रिसमस 15 दिसंबर को रिलीज होगी। करण ने अपने थ्रेड्स अकाउंट पर लिखा, बिना कोई फोन कॉल किए एक डेट रखना सही नहीं है।अगर हम इन कठिन और चुनौतीपूर्ण दिनों में एकजुट नहीं खड़े हैं तो हमें एक बिरादरी कहना व्यर्थ है। ऐसा लगता है कि करण ने श्रीराम राघवन और रमेश तौरानी का जिक्र किया, जो मैरी क्रिसमस के सह-निर्माता हैं। योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पटानी और राशि खन्ना हैं, जबकि मेरी क्रिसमस श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर है।

अंगद स्प्रिंट दूर्नामेंट में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

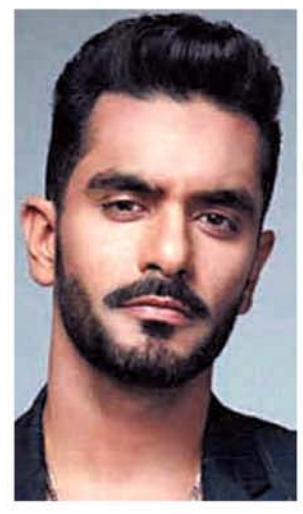

अभिनेता अंगद बेदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लक्ष्य के साथ स्प्रिंटिंग (दौड़) में पेशेवर करियर बनाने का एक असाधारण निर्णय लिया है। मुंबई में अपने पहले 400 मीटर स्प्रिंटिंग टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद, अंगद ने खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और गर्व से अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अंगद बेदी का खेलकूद के प्रति जुनून और उनकी असाधारण खेलकूद क्षमता उनके पूरे करियर में स्पष्ट रही है। जबकि उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, अंगद ने हमेशा खेल के प्रति गहरा प्रेम रखा है, और 400 मीटर दौड़ में उनकी हालिया सफलता ने उन्हें इस उल्लेखनीय यात्रा पर निकलने के लिए प्रेरित किया है। अपने नए खेलकूद प्रयास में उत्कृष्टता प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ, अंगद अपने कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन में कठोर और कड़ी ट्रैनिंग से गुज़र रहे हैं। कोच मिरांडा, जो खुद एक अनुभवी एथलीट हैं, ने 2016 में वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स में 5वीं रैंक हासिल करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। ??कोच मिरांडा के साथ अंगद का जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें अपने कौशल को निखारने और अपने प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए टॉप स्तर का प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। स्प्रिंटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अंगद बेदी ने कहा, अगले साल 400 मीटर दौड़ में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाकर मैं सम्मानित और रोमांचित महसूस कर रहा हूं। पहले मेरा लक्ष्य दिसंबर में महाराष्ट्र राज्य और फिर नेशनल है। सिल्वर मेडल मेरे पहले स्प्रिंटिंग टूर्नामेंट ने इस खेल को पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ाने के मेरे दृढ़ संकल्प को प्रेरित किया है। अपने सम्मानित कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन के साथ, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा के दौरान मुझे अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों से आशीर्वाद मिला है। जैसे-जैसे अंगद बेदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं, वह कड़ी ट्रैनिंग, अपनी तकनीक में सुधार और अपनी गति में सुधार करना जारी रखेंगे।

इस शाहरुख की अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर भी अभी से कयास लगने शुरू हो गए हैं कि यह फिल्म भी रिकॉर्डतोड़ कमाई करेगी। इसी बीच सोशल मीडिया पर काजोल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक्ट्रेस पठान के कलेक्शन के बारे में बात कर रही हैं।

झूठे थे पठान की कमाई के आंकड़े : काजोल

हाल ही में केआरके ने अपने ट्विटर पर काजोल के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस पठान के बारे में बात कर रही हैं। बता दें कि जब काजोल से शाहरुख खान को लेकर एक सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शाहरुख खान से क्या पूंछू सोशल मीडिया पर। इसके बाद एक्ट्रेस सवाल करती हैं कि पठान ने रियल में कितनी कमाई की है? इसके बाद वह हंसने लगती हैं। काजोल की इस वीडियो को शेयर करते हुए कमाल आर खान ने कैप्शन में लिखा कि काजोल पठान के बिजनेस का मजाक बना रही हैं। इसका मतलब है कि अजय इनसे घर पर शाहरुख के फर्जी कलेक्शन के बारे में बात करते होंगे। यह बॉलीवुड का असली चेहरा है। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोग जमकर इसपर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। ऐसे में कुछ लोग शाहरुख खान को सपोर्ट कर रहे हैं, तो कुछ केआरके को भी सही बता रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान की पठान 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन पैक फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1000 करोड़ से अधिक की कमाई की। वहीं फैंस एक्टर की अपकमिंग फिल्म जवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर थाना इलाके के बकौली हाईवे पर बीती देर रात एक सड़का हादसा हो गया। इस घटना में 2 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान पहचान प्रमोद और जोगेंद्र सिंह के रूप में हुई है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि बीती देर रात करीब 12 बजे अलीपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि बकौली हाईवे पर दो व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़े हुए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त दोनों सड़क पार कर रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। जांच में पता चला है कि जोगेंद्र और प्रमोद दोनों ही दोस्त अलीपुर थाना इलाके के बकौली में किसी काम से आए थे। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जाफराबाद में युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी, पिता-पुत्र धरे गए

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के जाफराबाद थाना इलाके में गत 17 जुलाई को सलमान नामक युवक की चाकू घोंपकर हत्या में शामिल आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में एक शख्स और उसका नाबालिग बेटा शामिल था। हालांकि एक अन्य आरोपित अभी भी फरार चल रहा है।

दरअसल, जाफराबाद इलाके के कल्याण सिनेमा के पास चौहान बांगर गली नंबर 2 में सलमान नामक युवक की हत्या चाकू से गोदकर कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने हत्या के आरोपित मंजूर और उसके नाबालिग बेटे को पकड़ा है। मंजूर का एक अन्य बेटा मोहसिन अभी फरार है। पुलिस मोहसिन को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपित मंजूर ने पुलिस को बताया कि सलमान की उसकी 19 वर्षीय बेटी के साथ दोस्ती थी। वह इस रिश्ते से खुश नहीं था और उसने सलमान को उसकी बेटी का पीछा न करने को कहा। उसने घटना से एक हफ्ते पहले उसे समझाया भी था। घटना से दो दिन पहले मंजूर के नाबालिग बेटे और उसके दोस्तों ने सलमान को रोककर उसकी बाइक की चाबी भी ले ली थी।

मंजूर ने बताया कि इतना समझाने के बावजूद सलमान पर इन बातों का कोई असर नहीं हो रहा था। यही वजह रही कि उसने अपने दो बेटों के साथ उसकी हत्या की योजना बनाई। इसके बाद 17 जुलाई को शाम साढ़े पांच बजे के करीब कल्याण सिनेमा के पास सलमान की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने आगे बताया कि मृतक सलमान के पोस्टमार्टम के दौरान उसके शरीर पर चाकू के आठ घाव पाए गए थे। छाती और गर्दन पर भी घातक चोट थी।

दो कारों में टक्कर, दबंग कार चालक ने पीड़ित को बोनट पर बैठाकर की मारपीट, गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र के डीएस चौराहे पर हुए एक सड़क हादसे में दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक कार चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दूसरी कार में टक्कर मार दी। जब पीड़ित ने विरोध किया तो कार चालक उसे बोनट पर बैठा कर ले गया तथा उसके साथ जमकर मारपीट की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई है। थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि प्रवेश कश्यप ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह रात 10 बजे के करीब अपनी कार में सवार होकर चार मूर्ति की तरफ जा रहे थे। तभी डीएस चौराहे के पास पीछे से आ रही एक कार ने उनकी कार में टक्कर मार दिया। कार अर्जुन यादव निवासी ग्राम परथला चला रहा था। उन्होंने बताया कि टक्कर मारने के बाद आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी, तथा उसे बोनट पर बैठाकर काफी दूर तक ले गया और उसके साथ मारपीट की। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर बीती रात को जमकर वायरल हुई।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने राजघाट-शांतिवन क्षेत्र में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। यमुना में आई बाढ़ के कारण राजघाट-शांति वन, आईटीओ व रिंग रोड पर हुए जल जमाव को दूर करने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित दिल्ली सरकार की विभिन्न एजेंसियां व एमसीडी काम कर रही हैं। बुधवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने यहां चल रहे जल-निकासी के काम का निरीक्षण किया।

इस दौरान आतिशी ने कहा कि राजघाट व यहां मौजूद अन्य सभी स्मारकों में बाढ़ के बाद जलजमाव की समस्या उभरी है। उन्होंने कहा कि लगभग 250 एकड़ का ये पूरा परिसर एक कटोरनुमा आकार का है और यहां बाढ़ के बाद पानी रुक चुका है। उन्होंने कहा कि राजघाट एक राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है और देश दुनिया से लोग यहां आते है। ऐसे में इस पूरे परिसर से बाढ़ के रुके हुए पानी को निकालने के लिए केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और एमसीडी की सभी एजेंसियां साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे परिसर से जल्द से जल्द पानी निकाला जा सके इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने यहां बड़ी संख्या में पम्प लगाए हैं और दिन-रात लगातार जल-निकासी का काम जारी है। हालांकि आईटीओ फ्लाईओवर के समीप बाढ़ के कारण हुए जलजमाव लगभग खत्म हो चुका है और सड़क को ट्रैफिक के किए शुरू कर दिया गया है। साथ ही बाढ़ के कारण आये कीचड़ को भी सड़क से हटाने का काम भी तेज़ी से जारी है। आतिशी ने कहा कि रिंग-रोड का यह हिस्सा मध्य दिल्ली की महत्वपूर्ण सड़क है और यहां से प्रतिदिन लाखों वाहन गुजरते हैं। ऐसे में यहां से आवाजाही करने वालों को समस्या न हो इस दिशा में पीडब्ल्यूडी हर जरूरी काम कर रही है।

मणिपुर की शर्मनाक घटना पर स्वाति मालीवाल ने लिखा पीएम मोदी-सीएम बिरेन को खत

रखी तीन मांगें

नई दिल्ली। नई दिल्ली, ऑनलाइन डेस्क। देश के पूर्वोत्तर में स्थित मणिपुर राज्य में बीते ढाई महीने से ज्यादा समय से जातीय हिंसा का दौर जारी है। इस बीच में वहां से एक ऐसा वीडियो आया है जिसने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। इस वीडियो में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर रास्ते में घुमाते देखा जा सकता है।

इस भयावह और शर्मनाक वीडियो के सामने आने के बाद से पूरे देश में आक्रोश है। इस पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कड़ा विरोध जताते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मणिपुर सीएम बिरेन सिंह को खत लिखा है और कई कड़े कदम उठाने की अपील की है।

स्वाति मालीवाल ने पीएम और मणिपुर के मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हुए तीन कदम उठाने की मांग रखी है-

मणिपुर में हिंसा खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

वीडियो में दिख रहे पुरुषों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं जिन्होंने महिलाओं के साथ अभद्रता की।

मणिपुर सीएम मुझे राज्य के दौरे की अनुमति दें ताकि मैं पीड़ितों और उनके परिवारों से बात कर सकूं। मैं सरकार को एक फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट सरकार को सौंपना चाहती हूं ताकि महिलाओं के साथ जितने भी यौन शोषण के मामले हुए हैं उस पर कार्रवाई हो।

पर्यावरण मंत्री ने पुराने लोहे वाले पुल के पास बाढ़ राहत शिविरों का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को शाहदरा जिले में पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित बाढ़ राहत शिविरों का सघन निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजस्व विभाग,दिल्ली पुलिस ,स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, वन विभाग , पीडब्लूडी, आईएन्डएफसी आदि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। राहत शिविर में उपयुक्त मेडिकल सुविधाएं और साफ सफाई देखी गई। बाढ़ प्रभावित लोगों ने दिल्ली सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया जताई। इस दौरान सांपो की समस्या से निजात पाने के लिए वन विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम भी मौके पर मौजूद रही। राहत शिविरों का जायज़ा लेने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संवाददाता सम्मेलन कर बताया की पिछले कई दिन से दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है और यमुना नदी का जल स्तर भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। लेकिन राहत शिविरों में रह रहे लोगो के क्षेत्र में अभी भी पानी का स्तर नीचे नहीं गया है और वहां अभी भी गाद और कीचड़ फैला हुआ है। इसी के चलते आज उन्होंने शाहदरा जिले के पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का दोबारा जायज़ा लिया।

उन्होंने बताया की आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों को की मदद करे और उन्हें हर जरुरी सुविधाएं मुहैया करवाए। इसी के चलते बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत उपायों को सुनिश्चित करने के लिए हमने आज बाढ़ राहत शिविर का दोबारा दौरा किया और पाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए उपयुक्त मेडिकल सुविधाएँ ,खाना, पानी ,अतिरिक्त टेंट, शिविरों में साफ़ सफाई की व्यवस्था कर दी गई है। इन शिविरों में लोगों की सुविधा के लिए दरी और गद्दें की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही बाढ़ प्रभावित लोगों ने केजरीवाल सरकार द्वारा मुहैया करायी जा रही सुविधाओं पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया जताई है। वहीं गोपाल राय ने लोगो सांप को न मारने के लिए अनुरोध किया गया। उन्होंने बताया कि रैपिड रिस्पांस टीम ने अभी तक 30 सांप का रेस्क्यू कर पकड़ लिया है। उसको सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया जायेगा।

नोएडा में भसीन बिल्डर के खिलाफ दो लोगों ने दर्ज कराया मुकदमा

नोएडा। थाना बीटा-2 में दो व्यक्ति ने भसीन बिल्डर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ितों का आरोप है कि दुकान देने के नाम पर बिल्डर और उसके साथियों ने उससे लाखों रुपए की रुपए की ठगी व धोखाधड़ी की है। थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि राजवीर सिंह नामक व्यक्ति ने भसीन इन्फोटेक एंड इन्फ्राट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड व इसके निदेशक सत्येंद्र सिंह भसीन, हरप्रीत सिंह, रमेश शर्मा को नामित करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने उक्त बिल्डर से एक दुकान खरीदी थी, जिसकी कीमत 46,67,375 रूपए तय की गई थी।

पीड़ित के अनुसार उसने अपने सारे भुगतान एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार नियमित रूप से किया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसको अपने झांसे में लेकर मूल आवंटित दुकान की जगह दूसरी दुकान दी, तथा उसे करीब 48 लाख रुपए ले लिए, लेकिन उसे दुकान पर कब्जा नहीं दिया। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि इसके अलावा बृजभूषण शर्मा ने भी भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के 7 लोगों की नामित करते हुए थाने में धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है।

दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर, खतरे के निशान से नीचे आया यमुना का जलस्तर

नई दिल्ली। यमुना में पानी कम होने लगा है। बृहस्पतिवार सुबह एक बार फिर से यह खतरे के निशान से नीचे आ गया है। 10 जुलाई के बाद दूसरी बार यमुना के जलस्तर में इतनी कमी आई है। मंगलवार देर शाम आठ बजे जलस्तर खतरे के निशान 205.33 से नीचे पहुंचा था। बुधवार सुबह सात बजे यह फिर से यह खतरे के निशान को पार कर 205.35 मीटर पर पहुंच गया। उसके बाद पूरे दिन इसमें बढ़ोतरी होती रही। शाम सात बजे यह 205.83 मीटर तक पहुंचा। इससे राजधानी में एक बार फिर से जलभराव का खतरा उत्पन्न हो गया था।

जलभराव की समस्या बढ़ने का खतरा टला

बुधवार शाम आठ बजे से ही पानी के स्तर में गिरावट शुरू हो गई थी। सुबह छह बजे तक यह नीचे गिरकर 205.43 मीटर तक और आठ बजे खतरे के निशान से नीचे 205.30 मीटर पर आ गया। इससे दिल्ली के निचले इलाके में जलभराव की समस्या बढ़ने का खतरा फिलहाल टल गया है।

अधिकारियों का कहना है कि पिछले दिनों हथनीकुंड बैराज से छोड़े गए ज्यादा पानी और उत्तरी क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण जलस्तर बढ़ा है। अब हथनीकुंड से दिल्ली की ओर कम पानी छोड़ा जा रहा है। बुधवार रात 10 बजे के बाद प्रति घंटे 30 हजार क्यूसिक से भी कम पानी छोड़ा जा रहा है।

इससे दिल्ली में स्थिति सुधर रही है। यमुना के आइटीओ बैराज के बंद गेट खोलने की कोशिश जारी है। अबतक पांच में से दो गेट ही खोले जा सके हैं। सेना, नौसेना और हरियाणा सरकार के सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग की टीम इस काम में लगी हुई है।

दिल्ली के रोहिणी में जिम के ट्रेडमिल में दौड़ा करंट, वर्कआउट कर रहे युवक की मौत

नई दिल्ली। रोहिणी में जिम के अंदर वर्कआउट करते वक्त ट्रेडमिल में करंट आने से नौजवान युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, करंट लगने की घटना केएनके मार्ग पर स्थित जिम की है। मृतक की पहचान सक्षम (24 वर्षीय) के रूप में की गई है।

करेंट की चपेट में आया युवक

स्थानीय पुलिस ने बताया कि ट्रेडमिल में वर्कआउट करने के दौरान एक युवक करंट की चपेट में आ गया। जिसे बेहोशी की हालत में बीएसए अस्पताल लाया गया था। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया है। एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान आरोपित को पकड़ लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

मल्टीनेशनल कंपनी में थे इंजीनियर

सक्षम, बहन व माता पिता के साथ रोहिणी सेक्टर 19 में रहते थे। सक्षम के पिता महेश कुमार ने बताया कि सक्षम गुरुग्राम स्थित मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर थे। वह तीन-चार महीने से जिम कर रहे थे।मंगलवार सुबह सात बजे वह जिम करने के लिए गए थे।

ट्रेडमिल मशीन में था करंट

एक घंटे बाद आठ बजे उन्हें फोन पर जानकारी मिली कि सक्षम जिम में बेहोश होकर गिर गया है। जब वह अंबेडकर अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि सक्षम को करंट लगा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने जांच की तो पाया कि ट्रेडमिल मशीन में करंट था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जिम मालिक अनुभव दुग्गल को गिरफ्तार कर लिया है

बच्चा खिलाने के लिए लाए बच्ची से कराने लगे घर के काम! गलती होने पर महिला पायलट और पति करता था क्रूरता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका में घरेलू कामकाज के लिए घर में रखी गई 10 वर्षीय बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला प्रकाश में आया है। दंपती बच्ची को छोटी-छोटी बातों पर पीटते थे और इस्त्री (आयरन) से झुलसा दिया। आरोपित महिला इंडिगो एयरलाइंस में पायलट है और उसका पति एक निजी एयरलाइंस में ग्राउंड स्टाफ है।

बच्ची के शरीर पर मिले चोट और जलने के निशान

द्वारका साउथ पुलिस ने आरोपित कौशिक बागची और उसकी पत्नी पूर्णिमा के खिलाफ प्राथमिकी कर गिरफ्तार कर लिया है। दंपती द्वारका के सेक्टर-8 में किराये के फ्लैट में रहता है। पुलिस का कहना है कि दंपती के घर के पास पीड़ित पक्ष को जानने वाली एक महिला घरेलू सहायिका काम करती है। उसने ही दंपती के कहने पर बच्ची को घरेलू काम के लिए रखवाया था। बच्ची दंपती के घर पर ही रहती थी। बच्ची को दंपती के छोटे बच्चे की देखरेख के लिए रखा गया था। बाद में उससे अन्य कामकाज भी लिए जाने लगे। आरोप है कि काम के दौरान गलतियां होने पर दंपती बच्ची को डांटने और पीटते थे। एक बार कपड़ों पर सही इस्त्री न करने पर बच्ची जला दिया गया। बच्ची के शरीर पर चोट और जलने के निशान मिले हैं।

ऐसे पता चली घटना

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिन सुबह बालकनी में आरोपित महिला बच्ची की पिटाई कर रही थी। तभी वहां से गुजर रही एक किशोरी की नजर बच्ची पर पड़ गई। बच्ची को पिटता देख उसने उसे आवाज लगाई और कहा कि आप नीचे आ जाओ। इस पर बच्ची ने कहा कि वह नीचे नहीं आएगी, दीदी मारेगी।

लोगों का कहना है कि जब बच्ची ने नीचे आने से मना कर दिया तो किशोरी ने आरोपित महिला से बच्ची को पीटने का कारण पूछा। इस पर महिला ने किशोरी को बीच में न आने की चेतावनी दी। इस बीच वहां से अर्धसैनिक बल का एक जवान गुजरा, जिसने बच्ची की रोने की आवाज सुनी। तब तक वहां आसपास के लोग भी जुट गए थे।

बच्ची की पिटाई की बात सुनकर लोग गुस्से में आ गए और महिला से कहा कि बच्ची को वह बाहर निकाले। महिला मना करती रही। इसके बाद कुछ लोग अंदर गए और बच्ची को घर से बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दे दी। लोगों ने आरोपित दंपती को पीटा भी। पूरे प्रकरण में इंडिगो ने बयान जारी कर कहा है कि प्रसारित वीडियो में दिख रही कर्मी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में किशोरी समेत कुछ महिलाएं आरोपित महिला और उसके पति की पिटाई कर रही हैं। आरोपित महिला माफी मांग रही है, लेकिन महिलाएं कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हैं। महिला का पति कह रहा है कि मत मारो, इसकी जान जा सकती है। एक बुजुर्ग महिलाओं को समझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई नहीं सुन रहा है। वीडियो में आरोपित महिला पायलट की वर्दी में नजर आ रही है।

मणिपुर के वायरल वीडियो का एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान, डीजीपी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना का राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को आयोग की अध्यक्ष ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ वीडियो के प्रसार की अनुमति देने के लिए आयोग ने ट्विटर को भी नोटिस भेजा है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बताया कि मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है और शाम तक और भी दोषियों की गिरफ्तारी की संभावना है। हमने ट्विटर को भी अपने प्लेटफॉर्म पर ऐसे वीडियो के प्रसार की अनुमति देने के खिलाफ नोटिस दिया है। यह वास्तव में चौंकाने वाली घटना है। आयोग ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान और मणिपुर से ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं। दोनों घटनाओं के लिए राज्य के प्रशासन के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है। इन घटनाओं के आरोपितों को सजा दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में हिंसा के बीच अब एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाते दिखाया गया है। साथ ही वहां खड़ी भीड़ महिला के साथ हाथापाई भी कर रही है। इसके साथ भीड़ के कुछ लोग महिला के साथ अभद्रता करते भी दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद महिलाओं के साथ दुष्कर्म होने की बात भी कही जा रही है।

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210